राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 12 मार्च 2022 वर्ष–4,अंक–47 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मेदिनीपुर में भाजपा कार्यालय में आग, भाजपा का आरोप चार राज्यों में जीत से बौखला गई ममता

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के औद्योगिक शहर मेदिनीपुर में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में भीषण आग लगने से जलकर खाक हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। अग्निशमन विभाग ने बताया कि भाजपा कार्यालय में आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ी और कर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने एक घंटे के भीतर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, हालांकि कार्यालय में आग लगने से सभी आधिकारिक दस्तावेज, टीवी, पंखा, फर्नीचर तथा कुर्सी जलकर खाक हो गई हैं। स्थानीय सांसद एवं पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर तृणमूल कांग्रेस पर आग लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कार्यालय के पास सभी नगरपालिका और मूल्यवान दस्तावेज स्थानीय वार्ड पार्षद अनुश्री बेहरा हैं, जिन्हें दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से निर्वाचित किया गया है। घोष ने दावा किया कि भाजपा के चार राज्यों उत्तर प्रदेश, मणिपुर, उत्तराखंड तथा गोवा में चुनाव जीतने से राज्य सत्तारूढ पार्टी बौखला गई है, इसकारण उन्होंने भाजपा कार्यालय में आग लगा दी। घोष के दौरे के बाद भाजपा पार्षद ने उनसे मुलाकात कर बताया कि इस आग में स्थानीय लोगों से संबंधित प्रमुख दस्तावेज तथा पार्षद संबंधित सभी दस्तावेज जलकर खाक हो गए है। आग इतनी भयावह थी कि कार्यालय की दीवारें पूरी तरह चटक गई है। तृणमूल कांग्रेस ने हालांकि घोष के आरोप को खारिज किया है।

पुणे-कन्याकुमारी, भुसावल-कटनी और नागपुर-जयपुर/अहमदाबाद के बीच ट्रेनों की बहाली

मुंबई, । मध्य रेल ने पुणे-कन्याकुमारी, भुसावल-कटनी और नागपुर-जयपुर/अहमदाबाद के बीच ट्रेनों की सेवाओं को नीचे दिए गए विवरण के अनुसार बहाल करने का निर्णय लिया है। 16381 दिनांक 01.04.2022 से प्रतिदिन 23.50 बजे पुणे से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 12.30 बजे कन्याकुमारी पहुंचेगी। 16382 दिनांक 31.03.2022 से कन्याकुमारी से प्रतिदिन 08.25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22.20 बजे पुणे पहुंचेगी। हाल्ट- मध्य रेल पर दौंड, कुर्दुवाड़ी, सोलापुर, कलबुर्गी, वाडी स्टेशन। संरचनाः 1, एसी 2-टियर, 4 एसी 3-टियर, 6 स्लीपर क्लास और 3 सेकंड क्लास सीटिंग। 11127 दिनांक 01.04.2022 से अगली आदेश मिलने तक भुसावल से प्रतिदिन 11.10 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 04.50 बजे कटनी पहुंचेगी। 11128, दिनांक 02.04.2022 से अगले आदेश मिलने तक कटनी से प्रतिदिन 23.50 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 18.35 बजे भुसावल पहुंचेगी। हाल्ट- मध्य रेल पर सावदा, निंभोरा, रावेर, वाघोडा, बुरहानपुर, नेपानगर, सगफाटा, डोंगरगांव, बड़गांव गुजर, खंडवा स्टेशन। संरचना- 2 एसी 3-टियर, 3, स्लीपर क्लास और 7 सेकेंड क्लास सीटिंग। 22176 दिनांक 08.04.2022 से अगले आदेश मिलने तक प्रत्येक शुक्रवार को जयपुर से 17.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.50 बजे नागपुर पहुंचेगी। हाल्ट- मध्य रेल पर पांढुरना, मुलताई, बैतूल स्टेशन।

ऑपरेशन गंगा

पीएम मोदी के रोड शो में दिखी ऑपरेशन गंगा की झलक, यूक्रेन से लौटे छात्रों ने जताया आभार

अहमदाबाद ।

करीब 10 महीनों के बाद गुजरात दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अहमदाबाद एयरपोर्ट से लेकर प्रदेश भाजपा मुख्यालय तक भव्य स्वागत किया गया7 एयरपोर्ट से भाजपा कार्यालय तक आयोजित रोड शो में ऑपरेशन गंगा की झलक दिखाई दी7 बता दें कि युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीय विद्यार्थियों को वापस लाने के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन गंगा शुरू किया है, इसके अंतर्गत अब तक हजारों विद्यार्थियों को भारत लाया जा चुका है यूक्रेन से भारत लौटे विद्यार्थियों में गुजरात के कई विद्यार्थी आज बैनर-पोस्टर लेकर रोड शो में पीएम मोदी का स्वागत करने पहुंच गए यूक्रेन रिटर्न इन विद्यार्थियों के हाथ में 'आभार नरेन्द्रभाई मिशन गंगा' लिखे बैनर थे विद्यार्थियों ने अपने गाल पर भारत के तिरंगे चित्र बना रखा था इन विद्यार्थियों ने पीएम मोदी के अपने करीब से गुजरते ही 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' जैसे नारों के साथ उनका स्वागत किया7 इन विद्यार्थियों में से एक बताया कि वह कीव में फंसा था तब उसे बताया गया कि केवल भारतीय झंडा बताकर ही सुरक्षित निकल सकता है जिसके बाद हम तिरंगे साथ निकल पड़े और पीएम मोदी के कारण भारत में सुरक्षित पहुंच गए7 अन्य विद्यार्थी ने बताया कि हमे पूरा भरोसा था कि भारतीय दूतावास हमे पूरी मदद करेगा आज खुशी है कि हम अपने घर सुरक्षित आ गए हैं विद्यार्थियों के लौटने से माता-पिता को भी बड़ी राहत मिली है। पीएम मोदी आ रहे हैं यह जानकर हमें काफी खुशी हुई और हम उनका स्वागत करने के लिए यहां आए हैं कई विद्यार्थियों ने नारा भी लगाया 'यूक्रे न से लाया मेरा दोस्त, मोदी जी को सलाम करो। '

चुनावों में फिर नॉन परफॉर्मिंग एसेट साबित हुआ गांधी परिवार

नई दिल्ली । चार राज्यों में कांग्रेस की हार ने गांधी-वाड्रा नेतृत्व और पार्टी को नॉन परफॉर्मिंग एसेट बना दिया है। चुनाव से पहले इन राज्यों में कांग्रेस के लिए उज्ज्वल संभावनाएं दिख रही थीं, लेकिन पार्टी आलाकमान इसे अपने पक्ष में नहीं भुना पाया। प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश में जिस तरह से सक्रिय नजर आईं, उसकी अपेक्षा पार्टी को सफलता नहीं मिली। यूपी में कांग्रेस का प्रदर्शन और भी ज्यादा खराब हो गया। नतीजे पर कांग्रेस के आंतरिक समीकरणों और सक्रिय विपक्षी राजनीति में इसकी संभावनाओं को भी प्रभावित करेंगे। हार ने कांग्रेस में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए सिर्फ पारिवारिक विरासत का अधिकार पर भी सवाल उठाए हैं। कांग्रेस खेमा यह भी स्वीकार करेगा कि चार राज्यों में भाजपा के प्रदर्शन से 2024 की उसकी संभावनाएं धूमित हुई हैं। वहीं, आप की पंजाब की जीत उसे हिमाचल प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विस्तार करने के लिए प्रेरित करेगी। आप इन राज्यों में भाजपा के खिलाफ कांग्रेस के एकाधिकार को चुनौती देगी। भले ही तृणमूल कांग्रेस गोवा में जीतने में विफल रही, लेकिन ममता बनर्जी के भी कांग्रेस के मैदानों और नेताओं पर छापेमारी जारी रखने की संभावना है। नतीजों के बाद एनसीपी प्रमुख शरद पवार, टीआरएस के केशव राव और विजयी आप नेताओं ने विपक्षी दलों को भाजपा विरोधी एकता और प्रयासों को जुटाने में सक्रिय होने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो कांग्रेस की घटती भूमिका का संकेत है। आवश्यकता पर जोर दिया, जो कांग्रेस की घटती भूमिका का संकेत है। पार्टी की अंदरूनी कलह भी हार की सबसे बड़ी वजह मानी जा रही है। हालांकि कांग्रेस की ताजा हार तब हुई, जब कुछ महीने बाद पार्टी अध्यक्ष का चुनाव होने वाला है। इसी बीच, पांच राज्यों के नतीजों के देखते हुए पार्टी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने फैसला लिया है कि केंद्रीय कार्य समिति की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें हार की समीक्षा की जाएगी।

यूपी विधानसभा चुनाव में कुल 49 सीटों पर 5000 वोट से कम रहा जीत हार का अंतर

नेशनल डेस्क।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजों में कुल 49 सीटें ऐसी रहीं जहां हार-जीत का अंतर 5000 मतों से कम रहा। बृहस्पतिवार को घोषित चुनाव नतीजे में समाजवादी पार्टी (सपा) को 25 सीटों पर 5000 से कम वोटों से पराजय मिली जबकि उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल को तीन सीटों पर नजदीकी अंतर से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 18 सीटों पर 5000 से कम वोटों से हारी, जबकि उसकी सहयोगी निषाद पार्टी को दो तथा अपना दल सोनेलाल को एक सीट पर बहुत कम वोटों से पराजय का सामना करना पड़ा। जीत-हार के बीच सबसे कम अंतर धामपुर सीट पर रहा, जहां भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार राणा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सपा उम्मीदवार नईम उल हसन को मात्र 203 मतों से हराया। कुर्सी सीट से भाजपा प्रत्याशी साकेंद्र वर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सपा के राकेश वर्मा को महज 217 मतों से पराजित किया। सपा को अलीगंज, औराई, बहराइच, छिबरामऊ, इटावा, फरीदपुर, जलालाबाद, बिंदकी, जलेसर, कटरा, मधुबन, मानिकपुर, मड़ियाहूं, मोहम्मदी, मुरादाबाद नगर, नकुड़, फूलपुर, सलोन, शाहगंज, श्रावस्ती, सीतापुर, सुल्तानपुर और तिर्वा सीटों पर 5000 से कम अंतर से हार का सामना करना पड़ा। इनमें से छह सीटों पर हार का अंतर 1000 से भी कम था।सपा के सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल को बड़ौत सीट 315 मतों से, नेहटौर सीट 258 मतों से और बिजनौर सीट 1445 मतों से गंवानी पड़ी। भाजपा की बात करें तो उसे 18 सीटों पर 5000 से कम अंतर से हार का सामना करना पड़ा। चांदपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार कमलेश सैनी को सपा उम्मीदवार स्वामी ओमवेश ने मात्र 234 मतों से हराया। भाजपा को रामनगर सीट केवल 261 और इसौली सीट मात्र 269 मतों के अंतर से गंवानी पड़ी। इसके अलावा भाजपा को बस्ती सदर, भदोही, बिसौली, दिबियापुर, डुमरियागंज, गाजीपुर, इटवा, जसराना, किठौर, मेजा, पटियाली, फरेंदा, रानीगंज, सरेनी और जैदपुर सीटों पर 5000 से कम वोटों से पराजय मिली। इनमें से छह सीटें ऐसी हैं जहां पर भाजपा को 1000 से भी कम मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी को हंडिया सीट से सपा के हाथों 3543 मतों से और कालपी सीट से सपा के ही खिलाफ 2816 वोटों पराजय का सामना करना पड़ा।

भाजपा के एक अन्य सहयोगी दल अपना दल (सोनेलाल) के प्रत्याशी को बछरावां सीट से सपा उम्मीदवार ने 2812 मतों से पराजित किया। उत्तर प्रदेश में सात चरणों में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम बृहस्पतिवार को घोषित किए गए। भाजपा ने एक बार फिर पूर्ण बहुमत हासिल किया। उसे कुल 255 सीटें हासिल हुई जबकि उसके सहयोगी दलों अपना दल सोनेलाल को 12 तथा निषाद पार्टी को छह सीटों पर जीत मिली। समाजवादी पार्टी को 111 सीटें मिली जबकि उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल को पार्टी को छह सीटों पर कामयाबी मिली।

जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में सेना का चीता हेलीकॉप्टर क्रैश

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में भारतीय सेना का एक चीता हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। सुरक्षा बलों के तलाशी दल हेलिकॉप्टर के चालक दल के बचाव के लिए रवाना हो गए हैं। बताया जा रहा है कि यह विमान हादसा गुरेज के बर्फीले इलाके में हुआ है। इस इलाके में काफी समय से बर्फबारी हो रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह हासदा आज दोपहर करीब 12 बजे बरौम गुरेज में हुआ। हेलिकॉप्टर पर सवार पायलट और सह पायलट के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। रक्षा विभाग के अधिकारी ने कहा कि इस दुर्घटना के बारे में विवरण जुटाए जा रहे हैं। दुर्घटना की सूचना मिलने के तत्काल बाद ही बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। बीते महीने (फरवरी, 26) तेलंगाना के नलगोंडा जिले में हेलिकॉप्टर क्रैश में दो पायलट की मौत हो गई थी। हेलिकॉप्टर हवा में बेकाबू होकर खेत में क्रैश हो गया था। घटना के समय विमान में एक पायलट और एक प्रशिक्षु पायलट सवार थे। तेलंगाना पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में एक पायलट की मौत मौके पर हो गई थी, जबकि दूसरे ने अस्पताल में दम तोड़ा।

भगवंत मान ने दिल्ली में केजरीवाल से मुलाकात की, शपथ ग्रहण समारोह के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली । पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की शानदार जीत के एक दिन बाद, उसके मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भगवंत मान ने शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से उनके आवास पर मुलाकात की। मान शुक्रवार सुबह दिल्ली पहुंचे। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद मान की केजरीवाल से यह पहली मुलाकात है। बैठक के दौरान आप नेता राघव चड्ढा भी मौजूद थे। आप ने राज्य की 117 विधानसभा सीट में से 92 पर जीत दर्ज की है। मान ने धूरी सीट से 58,206 मतों के भारी अंतर से जीत हासिल की। राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होने से पहले संगरूर में पत्रकारों से बात करते हुए मान ने कहा था कि वह पंजाब चुनाव में पार्टी की जीत पर बधाई देने के लिए केजरीवाल से मिलेंगे। मान ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के नवांशहर जिले में स्थित पैतृक गांव खटकर कलां में होगा। पार्टी की शानदार चुनावी जीत पर मान ने कहा लोगों ने अहंकारी लोगों को हराया और उन्होंने आम लोगों को विजयी बनाया।

पांच राज्य, 690 विधानसभा सीट, करीब पांच दर्जन सीटें ऐसी जहां रहा 1000 से कम जीत-हार का अंतर

नई दिल्ली।

पांच राज्यों की 690 विधानसभा सीटों में से करीब पांच दर्जन सीटों पर हार और जीत का फैसला महज 1000 वोटों के अंतर से हुआ। इनमें से 21 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों ने कांटे के इस मुकाबले में जीत दर्ज की। पांच राज्यों में हुई मतगणना के बाद भाजपा ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में फिर से सत्ता में वापसी की। उत्तर प्रदेश में 15 ऐसी सीटें रहीं, जहां पर हजार से कम मतों के अंतर ने जीत और हार तय की। मणिपुर में 22 उम्मीदवारों की जीत हार का फैसला हजार मतों के अंतर से हुआ वहीं गोवा में ऐसे 10 उम्मीदवार थे, जिन्होंने एक हजार के मतों के अंतर से जीत दर्ज की। उत्तराखंड में पांच उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला हजार मतों के अंतर ने तय किया जबकि पंजाब में सिर्फ दो ही सीट ऐसी रही, जहां हार जीत का फैसला हजार मतों के अंतर से हुआ। सबसे कांटे का मुकाबला मणिपुर की वाबगई सीट पर रहा जहां जीत और हार का फैसला महज 50 मतों के अंतर हुआ। इस सीट पर भाजपा के उषम देबेन सिंह ने कांग्रेस के फजुर रहीम को सिर्फ 50 वोटों से हराया। उत्तर प्रदेश में करीब एक दर्जन सीटों पर भाजपा की और समाजवादी पार्टी (सपा) की अगुवाई वाले गठबंधनों के बीच बेहद कांटे का मुकाबला हुआ और जीत व हार का फैसला 500 से भी कम मतों के अंतर से हुआ। चुनावी नतीजों के विश्लेषण से पता चलता है कि 11 सीटों पर जीत और हार का अंतर 500 मतों का रहा जबकि डेढ़ दर्जन सीटें ऐसी रहीं जहां हार और जीत का फैसला एक हजार के करीब मतों के अंतर से हुआ। भाजपा गठबंधन के उम्मीदवारों ने सात सीटों पर सपा गठबंधन के प्रत्याशियों को 500 से भी कम मतों के अंतर से शिकस्त दी वहीं सपा गठबंधन के उम्मीदवारों ने इसी तरह चार सीटों पर भाजपा गठबंधन के उम्मीदवारों को पराजित किया। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में आठ सीटों पर जीत और हार का फासला एक हजार से कम मतों का था। इनमें से पांच सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों को जबकि दो सीटों पर बहुजन समाज पार्टी और एक सीट पर सपा के उम्मीदवार को जीत मिली थी। पिछले चुनाव में सबसे कांटे का मुकाबला डुमरियागंज सीट पर हुआ था। यहां भाजपा के राघवेंद्र प्रताप सिंह ने सपा की सैयदा खातून को 171 मतों से पराजित किया था। इस बार के चुनाव में सबसे कांटे का मुकाबला बिजनौर जिले की तीन और बाराबंकी की दो विधानसभा सीटों पर हुआ। बिजनौर जिले की धामपुर विधानसभा सीट पर जबरदस्त टक्कर हुई। बेहद करीबी मुकाबले में यहां भाजपा के अशोक कुमार राणा ने सपा के नईम उल हसन को सिर्फ 203 मतों से पराजित किया। बिजनौर की चांदपुर सीट पर भी जबदरस्त मुकाबला देखने को मिला लेकिन जीत अंतत- सपा के स्वामी ओमवेश को मिली। उन्होंने भाजपा के कमलेश सैनी को 234 मतों से हराया। इसी जिले की नहटौर सीट पर दिलचस्प मुकाबला हुआ और कई दौर की उठापटक के बाद आखिरकार भाजपा के ओमकुमार ने रालोद के मुंशीराम को 258 मतों से हराया। बाराबंकी जिले की कुर्सी विधानसभा सीट पर भी बेहद कांटे का मुकाबला हुआ। भाजपा के सकेंद्र प्रताप ने यहां सपा के राकेश कुमार वर्मा को 217 मतों से पराजित किया। बाराबंकी जिले की रामनगर सीट पर सपा के फरीद किदवई ने भाजपा के शदकुमार अवस्थी को 261 मतों से पराजित किया। सुल्तानपुर जिले की इसौली विधानसभा सीट पर भी कांटे का मुकाबला हुआ। यहां से सपा के ताहीर खान ने भाजपा के ओम प्रकाश पांडे को 269 मतों से हराया। रामपुर जिले की बिलासपुर विधानसभा सीट पर भी दिलचस्प मुकाबला देखने को मिला। यहां हुई कांटे की टक्कर के बाद भाजपा के बलदेव सिंह औलाख को जीत मिली। उन्होंने सपा के अमरजीत सिंह को 307 मतों से शिकस्त दी। बागपत जिले की बड़ौत सीट पर भी मुकाबला कड़ा हुआ।

स्वतंत्र देव , बेबी रानी मौर्य, असीम अरुण, राजेश्वर सिंह को मिल सकती योगी कैबिनेट में जगह

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश में भाजपा ने शानदार जीत हासिल कर नया इतिहास रचा है। पिछले 34 सालों में पहली दफा ऐसा हो रहा हैं, कि जब उत्तर प्रदेश में कोई सरकार वापस लौट रही है। भाजपा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। चुनावी जीत के साथ ही सरकार बनने की भी सुगबुगाहट उत्तर प्रदेश में तेज हो गई है। भाजपा ने इस लेकर अलग-अलग बैठक भी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक कई बड़े नेता आने वाले दिनों में दिल्ली पहुंच सकते हैं और मंत्रिमंडल को लेकर बड़ा फैसला हो सकता है। पूर्ण बहुमत के बाद पार्टी के शीर्ष नेताओं की बैठक में मंत्रीमंडल में शामिल होने वाले सदस्यों पर बड़ी बैठक होगी। भाजपा और आरएसएस के कुछ वरिष्ठ पदाधिकारियों की भी इसमें सहमति होगी। हालांकि सवाल यह है कि योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट में इस पर कौन-कौन से लोग शामिल हो सकते हैं? बताया जा रहा है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और आगरा ग्रामीण से विधायक बेबी रानी मौर्य को योगी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। इसके अलावा कन्नौज से विधायक और पूर्व एडीजी असीम अरुण को भी योगी कैबिनेट में स्थान मिल सकता है। असीम अरुण योगी आदित्यनाथ के बेहद करीबी माने जाते हैं। सरोजिनी नगर से चुनाव जीतने वाले प्रवर्तन निदेशालय के पूर्व संयुक्त निदेशक राजेश्वर सिंह को भी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। पूर्व ब्यूरोक्रेट और एमएलसी अरविंद कुमार शर्मा का भी नाम मंत्रिमंडल की सूची में चल रहा है। खबर हैं, कि बेबी रानी मौर्य और स्वतंत्र देव सिंह को उप मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। निषाद पार्टी और अपना दल से एक या दो विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह दी जा सकती है।

फलक पर पहुंचने की दिशा में केजरी का एक और कदम

नई दिल्ली । पंजाब में चली मिली प्रचंड जीत ने आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल को राष्ट्रीय फलक पर लाकर खड़ा दिया है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में बेशक आप के हक में एक राज्य आया हो, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक इसे देश की सियासत के लिए बड़ा संकेत मान रहे हैं। माना जा रहा है लगातार जनाधार खो रही कांग्रेस से सियासत में जो जगह बन रही है, उसकी भरपाई आप कर सकती है। खासतौर से इसलिए भी कि आंदोलन से जन्मी आप किसी विशेष विचारधारा से नहीं बंधी है। वहीं, महानगरीय शहर दिल्ली की सत्ता पर काबिज आप दूसरे क्षेत्रीय दलों से अलग है। तभी केजरीवाल के साथ किसी जाति व क्षेत्र से बंधे होने की मजबूरी नहीं है। सियासी विशेषज्ञों का मानना है कि पांच राज्यों के चुनावों से जिस नेता की शख्सियत सबसे ज्यादा चमकी है, वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हैं। दूसरी पार्टियों ने अपनी मुहिम अपने मजबूत कैडर व नेताओं की बड़ी फौज के सहारे आगे बढ़ाई। इस रणनीति में केजरीवाल पूरे चुनाव के दौरान अकेले डटे रहे। आप का पूरा फोकस पंजाब पर था। वहीं, पार्टी की चुनावी मुहिम का पूरा तानाबाना केजरीवाल पर केंद्रित था। चुनाव परिणाम आने के बाद माना जा रहा है कि केजरीवाल अब मुकम्मल तौर पर राष्ट्रीय फलक पर आ खड़े हुए हैं। पर अभी लंबा सियासी सफर तय करना है। लेकिन पंजाब व दिल्ली के बीच स्थित हरियाणा और आप रणनीतिकार आगे अपनी रणनीति भी इस दिशा में तैयार कर रहे हैं। हरियाणा के लिए आप रणनीतिकारों का मानना है कि जिस तरह के क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का जनाधार सिमटा है उससे आप के लिए जगह बन रही है।

सुविचार

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है। - रहीम

संपादकीय

नतीजों के मायने

भारतीय राजनीति का यह दौर भाजपा के लिए सुखद रूप से ऐतिहासिक है। देश के सबसे महत्वपूर्ण सूबे उत्तर प्रदेश में भाजपा को मिली जीत कुशल राजनीतिक प्रबंधन की एक बेहतरीन मिसाल है। जमीन से लेकर टेबल तक और रणनीति से लेकर वोट की राजनीति तक जो घटा है, वह अपने आप में अध्ययन का विषय है। भाजपा को साफ तौर पर पता था कि महामारी की वजह से देश कैसी समस्याओं से गुजर रहा है और समस्याओं की तेज तलवार पर एक पार्टी कैसे, कितने समय तक टिक सकती है? मणिपुर, गोवा, उत्तराखंड की चर्चा छोड़ भी दें, तो अकेले उत्तर प्रदेश का हाथ से निकल जाना भाजपा के लिए क्या मायने रखता, इसे नरेंद्र मोदी के केंद्रीय और योगी आदित्यनाथ के राज्य नेतृत्व ने बहुत बेहतर ढंग से समझा था, तो नतीजे सामने हैं। उत्तर प्रदेश का चुनाव दूसरी पार्टियों के लिए भी अग्नि-परीक्षा की तरह था, पर इन पार्टियों की मेहनत में कमी रह गई। हो सकता है, विपक्षी पार्टियों ने कड़ी मेहनत की हो, लेकिन सच यह है कि समग्रता में भाजपा अपनी मेहनत से बहुत आगे निकल गई है। राम, शिव और कृष्ण से जुड़े इस प्रदेश में भाजपा स्वयं अपने लिए भी नया इतिहास लिख चली है। जीत के इस सिलसिले से पार्टी को भविष्य के लिए बहुत बल मिलने वाला है। सत्ता-विरोधी सामान्य लहर के बावजूद उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में मिले 40 प्रतिशत से ज्यादा मत और गोवा, मणिपुर के सम्मानजनक मत को अगर हम देखें, तो पाएंगे कि लोग भाजपा से संतुष्ट हैं। तुलनात्मक रूप से यही पार्टी है, जो आज अपनी योजनाओं के साथ गरीबों के साथ खड़ी है। करोड़ों नौकरियों के खत्म होने, बेरोजगारी बढ़ने, महंगाई और सत्ता की कुछ खामियों के बावजूद भाजपा को लोग तरजीह दे रहे हैं, तो बाकी पार्टियों को ईमानदारी से सबक लेना चाहिए। यह मुश्किल दौर गवाह है कि आम लोग मदद की बाट जोह रहे हैं, पंजाब में जो सरकार यह काम नहीं कर पाई, वह चली गई। वहां आम आदमी पार्टी की ऐसी सरकार आ रही है, जिसके दावों पर लोगों को विश्वास है। आम आदमी पार्टी ने गोवा और उत्तराखंड में भी जोर लगाया था, लेकिन वहां लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में ही अपना सच्चा हितैषी देखा। इन नतीजों की एक व्यंजना यह भी है कि जीतेगा वही, जो मुसीबत में आम लोगों के साथ खड़ा दिखेगा। नतीजों के बाद अनेक सुखद सवाल भी उभरने लगे हैं। क्या बार-बार अपने क्षेत्र या अपने लोगों के बीच जाने की राजनीति लौट आई है? क्या कोई बड़ा कदम उठाकर लोगों को रिझाने-दिखाने की राजनीति लौट आई है? क्या अपने ठोस विचारों या नीतियों पर बहुत आलोचना के बाद भी टिके रहने की राजनीति होने लगी है? क्या समाज को यह संदेश चला गया है कि कोरी सांप्रदायिकता या उसका भय काम नहीं आएगा, सरकार के साथ मिलकर विकास करते चलने में ही परिवार और समाज की भलाई है? पश्चिम बंगाल में मिली सीटों से भाजपा का जो उत्साह बढ़ा था, उसका असर उत्तर प्रदेश चुनाव में दिख गया है, मानो कसर पूरी हो गई हो। अब जनता का एजेंडा और साफ हुआ है, वह अपना फायदा देखने लगी है। उसे अपने छोटे-छोटे हितों की ज्यादा चिंता है, वह किसी मुगालते में नहीं है। निस्संदेह, भाजपा के नेतृत्व की जिम्मेदारी अब और बढ़ गई है, लोग शांति और विकास के पक्षधर हैं। अब गलती करने वाले या सेवा का मौका मिलने पर गंवा देने वाले नेताओं के लिए जगह कम होती चली जाएगी।

आज के कार्टून

अस्तित्व

जग्गी वासुदेव/ आध्यात्मिकता का मतलब किसी खास तरह का अभ्यास करना नहीं है। यह आपके अस्तित्व के होने का एक निश्चित तरीका है। उस स्थिति तक पहुंचने के लिए बहुत कुछ करना पड़ता है। यह आपके घर के बगीचे की तरह है। अगर मिट्टी, सूर्य का प्रकाश और पौधे का तना एक निश्चित स्थिति में हैं, तो यह फूल नहीं देगा, आपको इसके लिए कुछ करना होगा। आपको कुछ खास बातों पर ध्यान देना होगा। अगर आप अपने शरीर, मन, भावों और ऊर्जा को परिपक्वता के एक निश्चित स्तर तक ले जाएंगे, तो आपके भीतर कुछ और खिल उठेगा-यही आध्यात्मिकता है। जब आपकी तार्किकता अपरिपक्व होती है, तो यह हर वस्तु पर संदेह करती है। जब आपकी तर्कबुद्धि परिपक्व हो जाती है, तो यह हर चीज को एक अलग ही प्रकाश में देखती है। जब भी कोई आदमी कुछ ऐसा अनुभव कर पाता है, जो उसे खुद से बड़ा लगे, तो वह उसे भगवान समझने लगता है। 'भगवान' को लेकर सारी सोच यही है कि कुछ भी जो आपसे बड़ा हो। यह कोई इंसान या फिर प्रकृति का कोई आयाम भी हो सकता है। परंतु क्या यही आध्यात्मिकता है? नहीं, यह केवल जीवन है। जब मैं कहता हूं, 'केवल जीवन', तो मैं इसे छोटी बात कह कर, टालने का प्रयास नहीं कर रहा। यह सबसे बड़ी चीज है। जब जीवन आपके लिए अभिभूत कर देने वाला, एक शक्तिशाली और आनंददायी अनुभव हो जाता है, तब आप जानना चाहते हैं कि इसे किसने रचा होगा। अगर आप सृष्टि के स्त्रोत या प्रक्रिया को जानना चाहते हैं, तो आपके लिए सृष्टि का सबसे अंतरंग हिस्सा तो आपका अपना शरीर है। इसमें फंसी हुआ एक सृष्टि है। आपको उसे भूलना नहीं चाहिए। अगर आप जानते हैं कि सृष्टि का वह स्त्रोत आपके भीतर छिपा है, तो आप आध्यात्मिक हैं। एक नास्तिक आध्यात्मिक नहीं हो सकता। परंतु आपको यह समझना चाहिए कि एक आस्तिक भी आध्यात्मिक नहीं हो सकता है; क्योंकि नास्तिक और आस्तिक में कोई अंतर नहीं है। एक मानता है कि ईश्वर है और एक का मानना है कि ईश्वर नहीं है। दोनों ही किसी ऐसी बात के बारे में विश्वास रखते हैं, जिसके बारे में वे नहीं जानते। आप गंभीरतापूर्वक इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं कि आपको नहीं पता-और यही आपकी समस्या है। इसलिए नास्तिक और आस्तिक में कोई भेद नहीं है।

कॉर्पोरेट के मुनाफा लालच से बढ़ती महंगाई

देविंदर शर्मा

आज जबकि खुदरा मुद्रास्फीति अनुपात से बाहर होकर डोल रही है, दुनिया नया अचंभा देख रही है। यूं तो कई तरीकों से इसका पता पहले भी था, लेकिन इतने उघड़े रूप में नहीं। मुद्रास्फीति बढ़ने के साथ कंपनियों का मुनाफा बढ़ रहा है, इस बार की वृद्धि ऐतिहासिक है। कंपनियों का फायदा बढ़ने के साथ ही मुख्य कार्यकारी या शीर्ष अधिकारी अपने वेतन में भारी इजाफा, शेयरों की पुनः खरीद और लाभांश भुगतान में वृद्धि पा रहे हैं। कंपनियां कहती हैं कि वे इस बाबत कुछ नहीं कर सकतीं, उपभोक्ता को बताया जा रहा है कि 'असामान्य मुद्रास्फीति' कामगारों की वेतन-वृद्धि और उत्पादन मूल्य में अनाप-शनाप इजाफे से बनी है। इससे कोई इंकार नहीं कि कोरोना महामारी ने आपूर्ति श्रृंखला बाधित की है, लेकिन मुद्रास्फीति में जो ऊंचा और सतत उछाल आया है, वह मांग-आपूर्ति के सरल समीकरण वाली विद्रूपता को भी झुठला रहा है। यह बताने से ज्यादा छिपा रहा है। जनवरी माह में अमेरिका में खुदरा मुद्रास्फीति पिछले 40 सालों में सर्वोच्च यानी 7.5 फीसदी रही। यूके में यह दर पहले ही 5.4 प्रतिशत होकर पिछले 30 सालों की उच्चतम है और बैंक ऑफ इंग्लैंड ने अप्रैल तक इसे 7.1 फीसदी छूने की चेतावनी दी है। जबकि भारत में भी खुदरा मुद्रास्फीति 6.1 प्रतिशत हो चुकी है, यह डर पहले ही है कि आयात-मुद्रास्फीति से उपभोक्ता वस्तु मूल्य और ऊपर उठेंगे। आर्थिक सर्वे-2022 की चेतावनी है- 'भारत आयात-मुद्रास्फीति, खासकर ऊर्जा के ऊंचे वैश्विक मूल्यों के दुष्प्रभावों को लेकर सचेत रहे।' इस बीच अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य पत्रिका द फाइनेंशियल टाइम्स के 7 फरवरी अंक में एक शीर्षक ने मेरा ध्याना खींचा-'टायसन को मुद्रास्फीति से लगाव है।' इसने मुझे हैरान कर छोड़ा कि आज जो ऊंची मुद्रास्फीति विश्वभर में है, क्या वह बस से बाहर आर्थिक कारणों की वजह से है या फिर कॉर्पोरेट्स के लालच को मुद्रास्फीति का नया जामा पहनाकर पेश किया जा रहा रहा है। मैं जितना ज्यादा गहरे उतरता गया, उतना साफ होता गया कि किस आसानी से लालच को मुद्रास्फीति का रूप दिया जा रहा है। यह समझने के लिए शुरुआत टायसन फूड्स से करते हैं जो कि अमेरिका के मांस बाजार के 85 फीसदी हिस्से पर काबिज 4 शीर्ष कंपनियों में एक है और जिन पर राष्ट्रपति बाइडेन ने 'आपदा में अवसर' पाने का इल्जाम पहले ही जड़ रखा हैं। फोर्ब्स पत्रिका के अन्य लेख के मुताबिक टायसन फूड्स 'खर्चा कम-कमाई ज्यादा' कर रही है। माना कि पशु-आहार और परिवहन शुल्क बढ़ा है, लेकिन यह भी तथ्य है कि टायसन फूड्स का परिचालन मुनाफा अंतर महामारी से पहले के मुकाबले दोगुणा हो गया है। जहां चारों पशु-मांस उत्पादक कंपनियों के शुद्ध लाभ ने 300 फीसदी की छलांग लगाई है वहीं खुदरा मांस मूल्य में भारी बढ़ोतरी हुई है, बीफ में यह इजाफा अमूमन 20 प्रतिशत हुआ। जबकि कंपनियों द्वारा पशुपालक को जंतु का देय-मूल्य पिछले 50 सालों में न्यूनतम है। यदि आप बीयर पीते हैं तो यहां कुछ बुरी खबर है। गार्जियन अखबार का लेख बताता है कि यूरोप में लोकप्रिय ब्रांड हेनेकेन बीयर बिक्री में 4.3 फीसदी इजाफा हुआ, जिससे सकल लाभ 80 फीसदी दर्ज हुआ। साल 2021 में मुनाफा रिकॉर्ड 2.26 बिलियन डॉलर रहा, तथापि कंपनी ने आगामी महीनों में मूल्य-वृद्धि की घोषणा की है। हालांकि, महामारी के पिछले 2 सालों के दौरान बीयर की कीमतें कई बार बढ़ाई हैं। इसी बीच कोबरा नामक अन्य लोकप्रिय बीयर ब्रांड ने भी उत्पादन मूल्य में वृद्धि होने का वास्ता देकर उपभोक्ता से अधिक दाम चुकाने को तैयार रहने को कहा है। अब बात स्टारबक्स कंपनी की। जाहिर है यह केवल कॉफी न होकर, अहसास है, जिसकी कीमत आप अदा करते हैं। पिछले साल आखिरी तिमाही में कंपनी मुनाफे में 31 प्रतिशत वृद्धि हुई। वर्ष 2021 में स्टारबक्स अपनी आमदनी 8.1 बिलियन डॉलर से ज्यादा रहने के बावजूद मूल्य बढ़ाना चाहती है। रोचक यह कि कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का वेतन-भत्ता 39 प्रतिशत इजाफे के साथ कुल मिलाकर 2.4 करोड़ डॉलर हो गया तो वहीं दुनियाभर के कॉफी उत्पादक किसान न्यूनतम आय वर्ग में आते हैं। पर कॉफी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों का वेतन और बोनस असीमित है। यह लाभ का निजीकरण और लागत का सामाजिक-करण करने जैसा है। सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने अपने ट्वीट में अन्य उदाहरण में कहा- 'कॉर्पोरेट्स लालच का आलम यह कि चिपोट्ले (मैस्किन रेस्त्रां चेन) का मुनाफा गत वर्ष की तुलना में 181 प्रतिशत वृद्धि पाकर 76.4 करोड़ डॉलर हो गया और मुख्य कार्यकारी अधिकारी की तनख्वाह 2020 की बनिस्बत 137 फीसदी बढ़ाकर 3.8 करोड़ डॉलर कर दी गई, तुर्रा यह कि कंपनी

बुर्रीटो व्यंजन का दाम बढ़ाने के पीछे कारण सबसे छोटे कर्मी के वेतन में 50 सेंट की बढ़ोतरी ठहरा रही है। यह मुद्रास्फीति नहीं बल्कि 'मूल्य-चक्रवृद्धि' है'। सिएट्ल स्थित क्रेडिट कार्ड प्रोसेसिंग कंपनी ग्रैविटी पेमेंट के संस्थापक डैन प्राइस ने अपने ट्वीट में न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा, 'किराना वस्तुएं इतनी महंगी क्यों हैं? क्रोगर (अमेरिकी खुदरा वस्तु कंपनी) का मुनाफा रिकॉर्ड ऊंचाई पर है। स्टॉक मूल्य में गत एक साल में 36 फीसदी वृद्धि दर्ज हुई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी का वेतन 45 फीसदी बढ़ोतरी के साथ 2.2 करोड़ डॉलर हो गया, जो कि एक मध्यम दर्जा कर्मी से 909 गुणा ज्यादा है। इस कंपनी के 75 फीसदी कर्मचारी भोजन-असुरक्षा से जूझ रहे हैं और 63 प्रतिशत अपने मासिक बिल चुकाने में असमर्थ हैं। बहुत से पेट भरने हेतु सरकारी सस्ती दर भोजन-कूपनों पर निर्भर हैं।' सरल शब्दों में, कॉर्पोरेट्स के दिन इतने अच्छे दिन कभी न थे। रोजमर्रा का किराना हो या कॉफी, उपभोक्ता वस्तुओं से लेकर ईंधन तक, नेटफिलक्स और अमेज़ॉन प्राइम तक ने अपने मुनाफे में भारी बढ़ोतरी और न्यूनतम कर अदायगी के बावजूद शुल्क बढ़ा दिया है। बात ईंधन की करें तो मुख्य तेल कंपनियों- एक्सॉन मोबिल, ब्रिटिश पेट्रोलियम, शैल और शैवरोन- को पिछले 7 सालों में सबसे ज्यादा मुनाफा हुआ है, फिर भी कंपनियां उपभोक्ता से जो दाम डीज़ल-पेट्रोल के लिए वसूल रही हैं, उसे कम करने की बात आए तो खुद को असहाय बताती हैं। हैरानी की बात है कि रिपोर्ट्स बताती हैं कि लागत मूल्य में वृद्धि के बावजूद वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में अमेरिकी कॉर्पोरेट्स का मुनाफा बढ़कर रिकार्ड 2.8 ट्रिलियन डॉलर रहा। इसी तरह भारत में भी कॉर्पोरेट्स का लाभ बढ़ा। लेकिन जहां कामगार और गरीब वर्ग को बढ़ती मुद्रास्फीति की मार सहनी पड़ रही है, वहीं चोटी के 1 फीसदी अमीरों को इसका फायदा हो रहा है। इस साल लक्जरी नौका (याच) की बिक्री में 77 प्रतिशत का भारी उछाल आया है। फिर भी बाजार अर्थशास्त्रियों का एक वर्ग मुद्रास्फीति और कॉर्पोरेट्स लालच के बीच कोई संबंध निकालना पसंद नहीं करेगा, इस पर हमें और ज्यादा हैरानी नहीं होनी चाहिए।

लेखक खाद्य एवं कृषि मामलों के विशेषज्ञ हैं।

असम नगरपालिका चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के मायने

- अरविंद कुमार राय

असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मजबूत स्थिति वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान दिखने लगी थी। जब कांग्रेस की बादशाहत को राज्य में पहली बार भाजपा ने चुनौती दी। राज्य की 14 लोकसभा सीटों में से भाजपा ने 7 सीटों पर जीत हासिल कर राज्य के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने को मजबूत कदम आगे बढ़ाया। 2014 से 2022 तक असम में भाजपा इतनी मजबूत स्थिति में पहुंच गई कि कांग्रेस को पूरी तरह से हाशिए पर धकेल दिया। दो वर्ष देरी से असम में हुए नगरपालिका चुनाव में राज्य की सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने न सिर्फ कांग्रेस को पटखनी दी है, बल्कि राज्य के अल्पसंख्यक बहुल जिलों में भी अपनी मजबूत पकड़ रखने और मुसलमानों की रहनुमाई करने वाली ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) को उसके प्रभाव वाले क्षेत्रों में चारों खाने चित कर दिया है। असम के स्वायत्तशासी परिषदों वाले जिलों को छोड़ 24 जिलों में 06 मार्च को 80 नगरपालिकाओं के लिए मतदान हुआ था। 09 मार्च की सुबह 08.00 बजे से मतगणना आरंभ हुई। मतगणना से पहले ही राज्य में बने राजनीतिक परिदृश्य ने यह साफ कर दिया था कि असम में भाजपा की जमीनी स्तर पर जिस प्रकार की मजबूत पकड़ बनी है, उससे विपक्ष के लिए कोई जगह बनती नजर नहीं आ रही है। मतगणना के बाद जैसे-जैसे परिणाम सामने आते गए यह बात हकीकत में तब्दील होती गई कि विपक्ष असम में पूरी तरह शून्य हो चुका है। असम की 80 नगरपालिकाओं के 977 वार्डों के लिए 06 मार्च को चुनाव कराए गये। कुल 2,532 उम्मीदवार मैदान में थे, जिसमें भाजपा ने सबसे अधिक 825 उम्मीदवार उतारे थे। इसके बाद कांग्रेस ने 706 उम्मीदवार और असम गण परिषद (अगप) ने 243 उम्मीदवार उतारे थे। कुल 16,73,899 मतदाताओं में 8,32,348 पुरुष, 8,41,534 महिलाएं और 17 ट्रांसजेंडर शामिल थे। हालांकि, भाजपा और अगप ने चुनाव से पहले ही 60 वार्डों में निर्विरोध चुनाव जीत लिया था। राज्य में नगरपालिका चुनाव के लिए पहली बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का इस्तेमाल किया गया। ईवीएम से चुनाव होने के चलते नतीजे काफी तेजी से सामने आ गये। वर्ष 2014 असम की राजनीति में एक बड़ा बदलाव लेकर आया। लोकसभा चुनाव के बाद वर्ष 2016 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने बल पर राज्य की सरकार बनाने में सफल हुई। हालांकि, चुनाव में जिन पार्टियों के साथ भाजपा ने गठबंधन किया था, सरकार में उनको उचित प्रतिनिधित्व दिया। पांच साल के सफल शासन और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का विस्तार करते हुए भाजपा ने 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भी अभूतपूर्व सफलता हासिल की। संगठनात्मक दृष्टि से भाजपा असम में इतनी मजबूत हो गई की 2021 के विधानसभा चुनाव में फिर से पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने में सफल रही। इन सफलताओं के पीछे जहां पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में विस्तार था, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का नारा सरकार और संगठन में पूरी तरह परिलक्षित नजर आया। 2016 में जहां तत्कालीन मुख्यमंत्री के घोषित उम्मीदवार सर्वानंद सोनोवाल की अगुवाई में पार्टी ने कमाल किया तो 2021 के विधानसभा चुनाव में डॉ. हिमंत बिस्व सरमा की अगुवाई में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को करिश्माई नेता भी कहा जाता है। डॉ. सरमा का करिश्मा असम ही नहीं, पूरे पूर्वोत्तर में लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। मणिपुर, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने में डॉ. सरमा ने जहां अहम किरदार निभाया, वहीं ईसाई बहुल नगालैंड और मेघालय में भी क्षेत्रीय पार्टियों को साथ जोड़कर भाजपा को खड़ा करते हुए सत्ता में शामिल करने में अपनी राजनीतिक सूझबूझ का परिचय दिया। डॉ. सरमा के राजनीतिक कौशल को भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व 2016 में ही भलीभांति पहचान चुका था। यही कारण है कि पूर्वोत्तर में पार्टी को विस्तार देने के लिए नार्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक एलायंस (नेडा) का भाजपा ने

गठन किया। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व डॉ. सरमा को नेडा का संयोजक बनाकर पार्टी के जनाधार को पूर्वोत्तर में मजबूत करने का एक कठिन कार्य सौंपा था। इसमें डॉ सरमा खरे उतरे। पुरस्कार स्वरूप 2021 के असम विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री की गद्दी सौंप दी। मुख्यमंत्री बनने के बाद डॉ. सरमा ने जहां प्रशासन को जनता तक पहुंचाने के लिए दिन-रात एक किया, वहीं संगठनात्मक ढांचे को भी मजबूत बनाने के लिए जमकर कार्य किया। पार्टी को जब भी डॉ. सरमा की जरूरत होती है, वे प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आसानी से सुलभ हो जाते हैं। पार्टी के वरिष्ठ से लेकर कनिष्ठ तक के कार्यकर्ताओं की बातों को सुनते हुए सबको साथ लेकर चलने का नेतृत्व दिखाया। इसके चलते आज असम नगरपालिका चुनाव में भाजपा ने एकतरफा जीत हासिल करते हुए असम को विपक्ष मुक्त या विपक्ष शून्य कर दिया है।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार के पूर्वोत्तर राज्यों के ब्यूरो प्रमुख हैं)

सू-दोकू नवताल -2067

	3		7		6	5	9	
2		6						7
		9	1	8		2		4
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
9		2		4	1	7		
1						6		3
	7	3	2		8		4	

सू-दोकू -2066 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2067

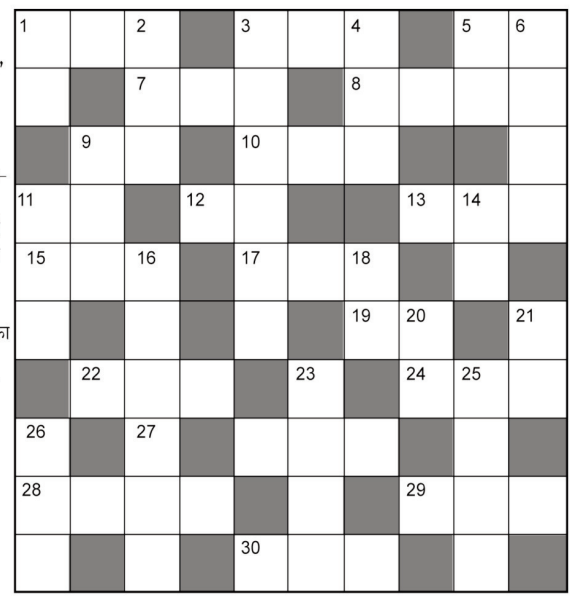

बायें से दायें:-

1. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-3
3. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-3
5. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-2
7. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-3
8. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-4
9. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-2
10. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-3
11. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-2
12. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-2
13. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-3
15. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-4
17. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-3
19. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-2
22. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-3
24. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
27. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-3
28. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-4
29. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-3
30. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

तुन्ना' गीत वाली फिल्म-3
14. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-2
16. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-3,3
18. फिल्म 'मिस 420' में नायिका कौन थी-2
20. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-2
21. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-2
23. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-4
25. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-4
26. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2066

रा	हु	ल		ना		गै	ब	ल	र
जा			घा	य	ल		द		न
औ	ला	द		ब	गा	व	त		
र		स	त्या		न		मी	ना	क्षी
रं	गी	ला		टी		अ	ज	य	
क		ख	ल	ना	य	क		क	था
	दो		की			ल	क्ष्य		ने
खू	ब	सू	र	त		मं		दा	दा
	द			ला		द	स		र
डॉ	न		रो	श	नी		नी	तू	

1. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-2
2. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-3
3. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-4,2
4. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-3
5. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-2
6. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-4
9. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-3
11. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक

भारतीय अर्थव्यवस्था पर ऊर्जा की वैश्विक मूल्य वृद्धि का होगा नकारात्मक असरः आईएमएफ

वाशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने कहा है कि भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था का प्रबंधन बहुत अच्छी तरह किया है लेकिन वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि का उसकी अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है। यूक्रेन पर रूस के हमले और इसके वैश्विक प्रभाव विषय पर हाल ही में मीडिया से बातचीत में आईएमएफ की पहली उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने कहा कि इस युद्ध के कारण भारत समेत दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं के समक्ष चुनौती आ खड़ी हुई है। गोपीनाथ ने कहा ` कि भारत की ऊर्जा आयात पर बहुत अधिक निर्भरता है और वैश्विक ऊर्जा कीमतें बढ़ रही हैं। इसका असर भारतीय लोगों की खरीद क्षमता पर पड़ रहा है। भारत में मुद्रास्फीति करीब छह फीसदी है जो भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक मुद्रास्फीति के लिहाज से ऊंचा स्तर है। उन्होंने कहा कि इसका भारत की मौद्रिक नीति पर असर पड़ेगा और यह सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई हिस्सों के लिए चुनौती है। जॉर्जीवा ने कहा ` कि स्पष्ट रूप से अर्थव्यवस्था पर जिसका सबसे अधिक प्रभाव होगा वह है ऊर्जा कीमतें। उन्होंने कहा कि भारत ऊर्जा का आयातक है और ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि का उस पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारत अपनी अर्थव्यवस्था का प्रबंधन करने में अच्छा रहा है।

चालू वित्त वर्ष में महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था 12 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमानः समीक्षा

मुंबई।

महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 2021-22 में 12.1 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। इस दौरान कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दर 11.9 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 13.5 प्रतिशत रह सकती है। महाराष्ट्र विधानसभा में पेश वित्त वर्ष 2021-22 की राज्य आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में फसल उपज में तीन प्रतिशत, पशुधन में 6.9 प्रतिशत, वानिकी में 7.2 प्रतिशत और मत्स्यपालन में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। समीक्षा कहती है कि वित्त वर्ष 2021-22 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 31,97,782 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है जबकि प्रति व्यक्ति आय 1,93,121 करोड़ रुपए रह सकती है। वर्ष 2019-20 में प्रति व्यक्ति आय 1,96,100 करोड़ रुपए रही थी। बजट अनुमानों के मुताबिक वर्ष 2021-22 में राजस्व प्राप्तियां 3,68,987 करोड़ रुपए रहेंगी। वित्त वर्ष 2020-21 में यह 2,89,498 करोड़ रुपए रही थीं। आर्थिक समीक्षा के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में केंद्रीय अनुदान समेत राज्य का कर एवं गैर-कर राजस्व क्रमशः 2,85,534 करोड़ रुपए एवं 83,453 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। बजट अनुमानों के मुताबिक इस वित्त वर्ष में राजस्व खर्च 3,79,213 करोड़ रुपए रहेगा जबकि वर्ष 2020-21 के संशोधित अनुमानों के मुताबिक यह 3,35,675 करोड़ रुपए रहा था। आर्थिक समीक्षा कहती है कि राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2.1 प्रतिशत रहने का अनुमान इस वित्त वर्ष के बजट में जताया गया है। वहीं राष्ट्रीय जीडीपी में महाराष्ट्र की औसत हिस्सेदारी 14.2 प्रतिशत के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गई है।

पीएफआरडीए की दो पेंशन योजनाओं के अंशधारक बढ़कर 5 करोड़ हुए

नई दिल्ली ।

पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की तरफ से संचालित दो प्रमुख पेंशन योजनाओं से जुड़ने वाले अंशधारकों की संख्या फरवरी के अंत तक सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़कर 5.07 करोड़ से अधिक हो गई। पीएफआरडीए ने कहा कि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं में शामिल अंशधारकों की संख्या फरवरी, 2022 के आखिरी तक बढ़कर 5 करोड़ 7.23 लाख हो गई। पीएफआरडीए के मुताबिक, फरवरी, 2021 के अंत में यह संख्या 4 करोड़ 14.70 लाख थी। इस तरह पेंशन योजनाओं में शामिल लोगों की संख्या एक साल पहले की तुलना में 22.31 प्रतिशत बढ़ी है। एनपीएस और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत प्रबंधन वाली कुल परिसंपत्तियां भी 28.21 प्रतिशत बढ़कर 7,17,467 करोड़ रुपए हो गईं। पेंशन नियामक के मुताबिक, एनपीएस में शामिल केंद्र सरकार के कर्मचारियों की संख्या फरवरी अंत तक करीब पांच प्रतिशत की वृद्धि के साथ 22.75 लाख हो गई। वहीं राज्य सरकारों के कर्मचारियों की संख्या 9.22 प्रतिशत बढ़कर 55.44 लाख हो चुकी है। अगर कॉरपोरेट जगत की बात करें, तो एनपीएस में शामिल होने वाले कर्मचारियों की संख्या फरवरी, 2022 के अंत तक 25 प्रतिशत की तीव्र बढ़त के साथ 13.80 लाख पर पहुंच गई। इसके साथ ही अटल पेंशन योजना में पंजीकृत होने वाले लोगों की संख्या फरवरी के अंत तक 29 प्रतिशत बढ़कर 3.52 करोड़ हो गई।

वित्त वर्ष 2022-23 में देश की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत रहेगी : क्रिसिल

नई दिल्ली ।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि बुनियादी ढांचा खर्च पर सरकार के जोर और निजी पूंजीगत व्यय बढ़ने से 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहेगी। रेटिंग एजेंसी ने हालांकि आगाह किया कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध और जिंसों की बढ़ती कीमतों की वजह से वृद्धि के नीचे जाने का जोखिम बन सकता है। 31 मार्च को समाप्त होने जा रहे चालू वित्त वर्ष में देश की वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। क्रिसिल ने कहा` कि कोविड-19 की तीसरी और हल्की लहर के जल्द समाप्त होने का जो भी लाभ मिल सकता है वह यूक्रेन पर रूस के हमले से उत्पन्न होने वाले भू-राजनीतिक तनाव से कम हो जाएगा। इस युद्ध का वैश्विक वृद्धि पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है

जिसके कारण कच्चे तेल और जिंसों के दाम बढ़ रहे हैं।''क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री डी के जोशी ने 'भारत का परिदृश्य, वित्त वर्ष 2022-23' पेश करते हुए कहा कि प्रत्यक्ष राजकोषीय नीतिगत समर्थन कम होने के कारण निजी खपत कमजोर कड़ी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के दाम 85 से 90 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहते हैं तो उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) अगले वित्त वर्ष में 5.4 प्रतिशत पर बना रहेगा।जोशी ने कहा कि दिलचस्प बात यह है सूचकांक (सीपीआई) अगले वित्त वर्ष में 5.4 प्रतिशत पर बना रहेगा।जोशी ने कहा कि दिलचस्प बात यह है कि जब वित्त वर्ष 2011-12 और 2013-14 के बीच कच्चे तेल की कीमत औसतन 110 डॉलर प्रति बैरल थी, तब मुद्रास्फीति दहाई अंक में थी।

संक्षिप्त समाचार

पिछले साल देश का सोना आयात बढ़कर 1,067 टन परः जीजेईपीसी

नई दिल्ली । रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने कहा कि भारत का सोने का आयात वर्ष 2021 में 1,067.72 टन हो गया, जो कोविड-19 महामारी के कारण वर्ष 2020 के दौरान 430.11 टन था। एक बयान में कहा गया है कि वर्ष 2021 में सोने का आयात वर्ष 2019 के 836.38 टन के आयात से 27.66 प्रतिशत अधिक रहा है। इसमें कहा गया है कि स्विट्जरलैंड से सबसे अधिक 469.66 टन सोना आयात किया गया। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 120.16 टन, दक्षिण अफ्रीका से 71.68 टन और गिनी से 58.72 टन सोने का आयात किया गया। चीन के साथ भारत अबतक दुनिया का सबसे बड़ा सोने का आयातक और उपभोक्ता देश है। जीजेईपीसी के अध्यक्ष कॉलिन शाह के अनुसार वर्ष 2021 में लगभग 1,067 टन सोने के आयात के लिए, एक साल पहले की असामान्य महामारी की स्थिति को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। उस समय आयात 430.11 टन तक गिर गया था। पिछले वर्ष देश ने 58,763.9 करोड़ डॉलर मूल्य के सोने के आभूषणों का निर्यात किया था। जीजेईपीसी ने कहा कि आभूषण उद्योग में निर्यात में वृद्धि देखी जा रही है और महामारी के बाद सोने के आभूषण (सादे और जड़े हुए) की घरेलू बिक्री बढ़ रही है।

आईओसी ने श्रीलंका में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए

कोलंबो । इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) की श्रीलंका स्थित अनुषंगी ने श्रीलंकाई रुपए के बहुत अधिक अवमूल्यन के कारण पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें बढ़ा दी हैं। बढ़े हुए दाम शुक्रवार से प्रभाव में आ गए हैं। एक महीने में यह तीसरी बार है जब कंपनी ने ईंधन के दाम बढ़ाए हैं। लंका इंडियन ऑयल कंपनी (एलआईओसी) ने कहा कि डीजल की खुदरा कीमत 75 रुपए प्रति लीटर और पेट्रोल की 50 रुपए प्रति लीटर बढ़ाई गई है। अब यहां पेट्रोल के दाम 254 रुपए प्रति लीटर और डीजल के 214 रुपए प्रति लीटर है। एलआईओसी के प्रबंध निदेशक मनोज गुप्ता ने कहा` कि सात दिन के भीतर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले श्रीलंकाई रुपये में 57 रुपए की गिरावट आई है। तेल और गैसोलिन उत्पादों की कीमतों पर इसका सीधा असर पड़ा है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देश रूस पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, इसके कारण भी तेल और गैस के दाम बढ़ रहे हैं। एलआईओसी को श्रीलंका सरकार से कोई सब्सिडी नहीं मिलती है। गुप्ता ने कहा` कि तेल की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊंची कीमतों के कारण हमें अभी बहुत घाटा उठाना पड़ रहा है। ऐसे में कीमतें बढ़ाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। दाम बढ़ाने के बावजूद भारी घाटा वहन करना होगा।

सोया उत्पादों पर भी होगा आईएसआई मार्क

नई दिल्ली । सोया उत्पादों की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने विनिर्माताओं को सोया उत्पादों पर आईएसआई के निशान का इस्तेमाल करने को कहा है। सरकारी प्रमाणन एजेंसी बीआईएस ने कहा कि सोया उत्पाद विनिर्माता उससे गुणवत्ता का प्रमाण लेकर अपने उत्पादों पर आईएसआई के निशान का इस्तेमाल करना शुरू करें। बीआईएस ने सोया उत्पादों के संबंध में भारतीय मानक विषय पर आयोजित एक वेबिनार में कहा कि सोयाबीन से बनने वाले अलग-अलग उत्पादों की स्वीकार्यता लोगों के बीच लगातार बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में इन उत्पादों के मानक को सुनिश्चित करना जरूरी है। बीआईएस ने कहा कि सोया उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के अलावा इनके भौतिक, रासायनिक एवं जीवाणु-संबंधी मानकों को बनाए रखने के लिए परीक्षण पद्धतियों को मानकीकृत करना जरूरी है। इसने पहले ही सोया आटा, सोया मिल्क, सोया नट्स और सोया बटर जैसे उत्पादों के लिए भारतीय मानक जारी किए हुए हैं। नए सोया उत्पादों के लिए मानक तैयार करने की प्रक्रिया अभी जारी है।

सेबी ने जारी की चूककर्ताओं की सूची

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 25 चूककर्ताओं की सूची जारी की जिनका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है। सेबी के मुताबिक इन चूककर्ताओं ने न तो निवेशकों का पैसा लौटाया और न ही उसकी तरफ से लगाए गए जुर्माने को भरा था। सेबी ने अपनी वेबसाइट पर संपर्क से दूर चूककर्ताओं का ब्योरा देते हुए कहा कि उसके वसूली अधिकारी ने इन व्यक्तियों के खिलाफ वसूली का प्रमाणपत्र जारी कर दिया है। लेकिन इन चूककर्ताओं को उनके आखिरी ज्ञात पते पर नोटिस दिए नहीं जा सके।सेबी ने कहा कि वसूली के ये नोटिस जुलाई 2014 से लेकर जनवरी 2022 के दौरान जारी किए गए थे। सेबी ने कहा कि उसके वसूली अधिकारी से चूककर्ता ईमेल या पत्र के जरिए 24 मार्च 2022 तक संपर्क कर सकते हैं। सेबी की तरफ से जारी सूची में कन्हैयालाल जोशी, संतोष कृष्ण पवार,सेबी की तरफ से जारी सूची में कन्हैयालाल जोशी, संतोष कृष्ण पवार, चेतन मेहता, मुकुंद यदु जम्भाले, अंकित के अग्रवाल, जयेश शाह, सुरेशकुमार पी जैन, प्रवीण वशिष्ठ, राजेश तुकाराम दाम्बरे, जयेश कुमार शाह, दहयाभाई जी पटेल, दलसुखभाई डी पटेल, विट्ठलभाई वी गाजेरा के नाम शामिल हैं। इस सूची में विनोद डी पटेल, प्रवीण बी पटेल, नवीन कुमार पटेल, सुनील कुरिल, दिलीप हेमंत जम्भाले, जगदीश जयचंदभाई पांड्या, चिराग दिनेशकुमार शाह, प्रशांत खानकारी, कैलाश श्रीराम अग्रवाल, दत्तू शितोले, जितेंद्र चंद्रभान सिंह और अंकित सांचरिया के नाम भी हैं।

ओबेन इलेक्ट्रिक देसी ईवी कंपनी 15 मार्च को लांच करेगी अपनी इलेक्ट्रिक बाइक

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल के लिए क्रेज बढ़ता जा रहा है, इसकारण नई-नई ईवी स्टार्टअप कंपनियां इस साल शानदार लुक और फीचर्स के साथ ही जबरदस्त बैटरी रेंज वाली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल लांच कर रही है। इसी कोशिश में नई ईवी कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक अगले हफ्ते 15 मार्च को अपनी पहली हाई परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल ओबेन रोर लांच करने जा रही है।लांच से पहले ही ओबेन रोर के लुक, फीचर्स और बैटरी रेंज के साथ ही संभावित प्राइस डिटेल्स सामने आ गई है। ओबेन इलेक्ट्रिक देसी ईवी कंपनी है, जिसकी स्थापना अगस्त 2020 में हुई थी। यह कंपनी 15 मार्च को पहली इलेक्ट्रिक बाइक ओबेन रोल लांच करने जा रही है, जो कि देखने में काफी स्पोर्टी है और टॉर्क क्रैटोस बाइक से मिलती-जुलती है। ओबेन रोर में राउंड हेडलाइट, स्लीक एलईडी टर्न इंडिकेटर, बड़ा डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, स्प्लिट स्टाइल सीट, 5 स्पोक अलॉय व्हील्ज सहित कई खास बातें दिख रही हैं। कंपनी का दावा है कि ओबेन रोर को सिंगल चार्ज में 200 किलोमीटर तक चला सकेंगे। इसे फिक्स्ड बैटरी पैक के साथ पेश किया जाएगा, जो कि काफी पावरफुल होगा। वहीं, ओबेन रोर की टॉप स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटे की होगी। अगले हफ्ते लांच होने जा रही नई इलेक्ट्रिक

बाइक ओबेन रोल की संभावित कीमत 1.2 लाख रुपये से लेकर 1.5 लाख रुपये तक हो सकती है। इस बाइक की डिलीवरी आगामी मई-जून से शुरू हो सकती है। फिलहाल आपको बता दें कि हाल के दिनों में कोमाकी, टॉर्क, साइबोर्ग समेत कई और कंपनियों ने भारत में हाई-परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल्स लांच किए हैं, जो कि शानदार लुक, लेटेस्ट फीचर्स और बेहतरीन बैटरी रेंज से लैस है।

इसके साथ ही बेस्ट सेलिंग इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल रिवॉल्ट आरवी400 और रिवॉल्ट आरवी300 है। अब ओबेन रोर का मुकाबला इन सभी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल्स से होगा।

सेमीकंडक्टर चिप ने ऑटो सेक्टर की रफ्तार पर लगाया ब्रेक, फरवरी में गाड़ियों की आपूर्ति 23 फीसदी घटी

नई दिल्ली।

वाहन उद्योग के निकाय सियाम ने शुक्रवार को कहा कि सेमीकंडक्टर की कमी और आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों के कारण उत्पादन प्रभावित होने और नए नियमों के लागू होने से वाहनों की कीमतों में वृद्धि के कारण मांग परिदृश्य प्रभावित होने से कारखानों से डीलरों को गाड़ियों की आपूर्ति फरवरी 2022 में 23 फीसदी घट गई। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने शुक्रवार को कहा कि फरवरी 2022 में कुल यात्री वाहनों, दो पहिया वाहनों और तीन पहिया वाहनों की थोक बिक्री 13,28,027 इकाई रह गई जो पिछले वर्ष इसी महीने की 17,35,909 इकाई के मुकाबले 23 फीसदी कम है। फरवरी 2022 में यात्री वाहनों की कुल आपूर्ति छह फीसदी घटकर 2,62,984 इकाई रह गई जो पिछले वर्ष समान महीने में 2,81,380 इकाई थी। यात्री कारों की थोक बिक्री पिछले महीने 1,33,572 इकाई रही जो फरवरी 2021 में 1,55,128 इकाई थी। हालांकि, यूटिलिटी वाहनों की बिक्री फरवरी 2021 की 1,14,350 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने बढ़कर 1,20,122 इकाई हो गई। पिछले महीने वैन की 9,290 इकाइयां बिकीं जो फरवरी 2021 की 11,902 इकाइयों की तुलना में कम है। इसी तरह दो पहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने 27 फीसदी घटकर 10,37,994 इकाई रह गई जो एक वर्ष पहले 14,26,865 इकाई थी। इसी तरह, तीन पहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने मामूली रूप से घटकर 27,039 इकाई रह गई जो पिछले वर्ष समान अवधि में 27,656 थी। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, ''सेमीकंडक्टर की कमी जैसी आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं, नए नियमों के कारण लागत बढ़ी है, जिसों की कीमत और लॉजिस्टिक कीमतें भी बढ़ी हैं, इस सब के कारण वाहन उद्योग में बिक्री प्रभावित हुई है।'' पिछले महीने सभी श्रेणी के वाहनों के उत्पादन में 20 फीसदी की कमी आई है। फरवरी में यात्री वाहन, तीन पहिया वाहन, दो पहिया वाहन समेत कुल 17,95,514 इकाइयों का उत्पादन हुआ जबकि फरवरी 2021 में 22,53,241 वाहनों का उत्पादन हुआ था।

आर्थिक विकास और आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने के लिए ग्रामीण वित्तीय समावेशन जरूरी

टीम डिजिटल। भारत मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है7 शहरीकरण के उदय के बावजूद भी भारत की आधी से अधिक जनसंख्या ग्रामीण है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था भारत के त्ष्ठक्क में लगभग एक चौथाई से अधिक का योगदान करती है। इसलिए आर्थिक विकास और आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने के लिए ग्रामीण वित्तीय समावेशन महत्वपूर्ण है। कोविड -19 महामारी भारतीय वित्तीय क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ है। इस महामारी के कारण घोषित की गईं पाबंदियों ने लोगों की आजीविका और बुनियादी ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। शहरों में नौकरियों की कमी, बड़े पैमाने पर छंटनी, राहत उपायों की कमी, कोविड का अधिक प्रभाव इत्यादि , प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण ज्यादातर कुशल श्रमिक एवं कर्मचारी अपने गाँव लौट आये , जिसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव डाला है । अतः ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुधारने तथा ग्रामीणों के आय स्रोत एवं क्रय क्षमता को बढ़ाने के लिए पूंजी की अविलम्ब आवश्यकता को पूर्ण करना अत्यंत आवश्यक है इस जरुरत को पूरा करने के लिए बैंकिंग क्षेत्र के पास सीमित साधन है, उसकी ऋण देने की जटिल प्रक्रियाओं के कारण कई छोटे व्यवसाय एवं निम्न स्तर में जीवन यापन कर रहे लोगों की प्राथमिकता हमेशा ही प्रभावित रहती है । प्रारंभिक लॉकडाउन ने बैंकिंग सुविधाओं से वंचित क्षेत्र, विशेष रूप से महिलाओं, कम वेतन वाले श्रमिकों, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों (स्स्स्ब्व्ह्य) को बुरी तरह प्रभावित किया।

इन्दौर को मिला एक नया पार्टी डेस्टिनेशन समप्लेस एल्स

इन्दौर ।

शहर के नवीनतम और सबसे प्रीमियम 5-स्टार होटल 'द पार्क' के बार - समप्लेस एल्स की शुरूआत गुरुवार को हुई जहां इन्दौर के लोगों को बॉलीवुड और ईडीएम पार्टी का एक नया अनुभव मिलेगा। बुधवार को हुई प्रीमियर नाईट में शहर के ख़ास इन्फ्लूएन्सर्स को बुलाया गया था, फैशन, लाइफस्टाइल, फ़ूड और संगीत के क्षेत्र के। बॉलीवुड म्यूजिक के साथ साथ, क्लासिक से लेकर रॉक तक हर प्रकार के संगीत के साथ, और मॉकटेल्स से लेकर कुछ खास और हटकर बनाए हुए कॉकटेल्स तक, समप्लेस एल्स में सभी की पसंद के अनुरूप संगीत और खान पान के विकल्प रखे गए हैं। साथ ही यहां एक ऑल वीमेन इंटरनेशनल बैंड की भी प्रस्तुति शाम में होगी जो यहां की खासियत होगी। कोलकाता में पिछले 27 साल से संचालित होने के बाद अब यह क्लब पहली बार किसी और शहर के लिए अपने दरवाज़े खोल रहा है और वो शहर है मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इन्दौर। क्लब को यहां लाए जाने का मुख्य कारण है यहां का सोशल कल्चर। द पार्क होटल के जनरल मैनेजर देबजीत बैनर्जी ने बताया कि हमें पूरा भरोसा है कि समप्लेस एल्स इन्दौर की पहली पसंद बनेगा संगीत, मनोरंजन की क्वालिटी और प्रदर्शन के लिए। हमारा बार इन्दौर के सोशल कल्चर को नई परिभाषा देगा, अंतरराष्ट्रीय लाइव बैंड और अपने ख़ास मनोरंजन के साथ जो इन्दौर की जनता के लिए आयोजित किया जा रहा है। यहां फोकस बॉलीवुड और कमर्शियल म्यूजिक पर होगा।बॉलीवुड और कमर्शियल म्यूजिक पर होगा।

10 मार्च को 4 बजे से बार आम जनता के लिए शुरू कर दिया गया है। इस मौके पर मुंबई के डीजे अकील ने गेस्ट डीजे के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मार्गन स्टेनली ने भारत की वृद्धि दर अनुमान घटाकर 7.9 प्रतिशत किया

मुंबई । अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत के वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 7.9 प्रतिशत कर दिया है। कच्चे तेल की कीमतों पर रूस-यूक्रेन संघर्ष के असर को देखते हुए यह बदलाव किया गया है। मॉर्गन स्टेनली के विश्लेषकों ने भारत में मुद्रास्फीति के अनुमान को भी बढ़ाकर छह प्रतिशत कर दिया है जो कि भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे का ऊपरी स्तर है। इसके अलावा मौजूदा घटनाक्रम की वजह से मुद्रास्फीतिजन्य मंदी की आशंका भी जताई है।ब्रोकरेज फर्म ने एक बयान में कहा ` कि हमारा मत है कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव बाह्य जोखिमों को बढ़ा रहे हैं और अर्थव्यवस्था के लिए मुद्रास्फीति-जनित मंदी की आशंका भी पैदा हो रही है। मुद्रास्फीति-जनित मंदी का आशय ऐसी स्थिति से है जब उत्पादन या वृद्धि में गतिहीनता आ जाए और मुद्रास्फीति भी ऊंचे स्तर पर बनी रहे। विश्लेषकों ने चक्रीय पुनरुद्धार का रुझान कायम रहने की उम्मीद जताते हुए कहा कि ऐसा थोड़ा नरमी के साथ ही जारी रहेगा। उन्होंने भारत पर भू-राजनीतिक तनावों का कई तरह से असर पड़ने का जिक्र करते हुए कहा कि तेल एवं अन्य जिंसों के दामों में वृद्धि, व्यापार में गिरावट और कारोबारी धारणा को पहुंचे नुकसान से वित्तीय परिस्थितियां बिगड़ने की आशंका है। मॉर्गन स्टेनली के उलट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत का वृद्धि दर अनुमान 7.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा है।

Sports

श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट के लिए भी दुष्मंथा को शामिल नहीं किया

बेंगलुरु । यहां भारतीय टीम के साथ शनिवार को शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए भी श्रीलंकाई टीम ने तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा को शामिल नहीं किया है। दुष्मंथा इससे पहले मोहाली में खेले गए शुरुआती टेस्ट मैच के लिए भी टीम में नहीं थे। टीम प्रबंधन ने कार्यभार प्रबंधन के तहत ही दिन-रात्रि के टेस्ट मैच के लिए इस तेज गेंदबाज को आराम दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार श्रीलंकाई टीम के मेडिकल पैनल ने इस तेज गेंदबाज को सलाह दी है कि वह आगामी टी20 विश्वकप तक सफेद गेंद वाले क्रिकेट मुकाबलों में ही खेलें। अगले साल भारत में 50 ओवर का एकदिवसीय विश्व कप भी खेला जाना है। वहीं यह संभावना है कि बल्लेबाज पथुम निसानका को भी पीठ की समस्याओं के कारण इस मैच में जगह नहीं दी जाएगी। निसानका ने हालांकि पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा नाबाद 61 रन बनाये थे। निसानका को बाहर किया जाता है तो उनकी जगह दिनेश चांदीमल या कुसल मेंडिस में से किसी एक बल्लेबाज को टीम में शामिल किया जाएगा।

आईसीसी महिला विश्व कप

महिला विश्वकप : लॉरा और सुने के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने पाक को हराया

माउंट मौंगानुई ।

दक्षिण अफीका ने आईसीसी महिला विश्व कप क्रिकेट मुकाबले में पाकिस्तान को एक करीबी मुकाबले में छह रनों से हरा दिया। यह विश्व कप में दक्षिण अफ्रीकी टीम की लगातार दूसरी जीत है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लॉरा वुलफार्ट ने 75 जबकि कप्तान सुने लूस ने 62 रन बनाये। इसके अलावा गेंदबाज शबनम इस्माइल ने 41 रन देकर तीन विकेट लिए। इस मुकाबले में हार से पाक टीम अंक तालिका में सबसे नीचे आ गयी है। उसे पहले मुकाबले में भारत जबकि दूसरे में ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 223 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम 49.5 ओवर में 217 रन ही बना पायी। ओमाइमा सोहैल ओर निदा डार ने अर्धशतक लगाये पर अन्य बल्लेबाज विफल रहीं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से इस्माइल ने तीन जबकि मरीजान काप और अयाबोंगा खाका ने दो-दो विकेट लिए। रोमांचक मुकाबले के दौरान पाक को अंतिम चार गेंदों पर जीत के लिए आठ रनों की जरुरत थी और उसका एक विकेट शेष था पर गुलाम फातिमा पांचवीं गेंद पर रन आउट हो गईं। पाक की ओर से ओमाइमा ने सबसे ज्यादा 65 रन जबकि निदा ने 55 रन बनाए। बाकि बल्लेबाज अधिक रन नहीं बना पायी जिस कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा। निदा आठवें बल्लेबाज के रूप में आउट हुई तब टीम का स्कोर 213 था। इसके बाद पूरी पारी 217 रन पर ही सिमट गई। इस्माइल ने अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर डायना बेग को 13 रन पर आउट कर पाक टीम की पारी को समेट दिया।

दूसरे टेस्ट से पदार्पण करेंगे स्वेपसन : कमिंस

करांची ।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि लेग स्पिनर मिशेल स्वेपसन पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार से होने वाले दूसरे मैच से अपना टेस्ट पदार्पण करेंगे। कमिंस को इस मैच में तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। कराची की पिच से स्पिनरों को सहायता मिल सकती है , इसीलिए स्वेपसन को टीम में जगह दी गयी है। रावलपिंडी में पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था। ऐसे में इस मैच में दोनो ही टीमे जीत के लिए पूरा जोर लगा देंगी। पहले टेस्ट में पिच बेजान होने के कारण गेंदबाजों को कोई सहायता नहीं मिली थी और दोनो ही टीमों ने जमकर रन बनाये थे। इसके बाद से ही पिच की दिग्गज क्रिकेटरों ने आलोचना की थी और कहा था कि ऐसे मैचों से टेस्ट के भविष्य पर प्रभाव पड़ेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम 24 साल के बाद पाक पहुंची हैं और उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार यह सीरीज जीतना रहेगा। पाकिस्तान = बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान (उप-कप्तान), अब्दुल्ला शफीक, अजहर अली, फहीम अशरफ, फवाद आलम, हारिस रउफ, हसन अली, इफ्तिखार अहमद, इमाम-उल-हक, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, नौमान अली, साजिद खान, सऊद शकील, शाहीन शाह अफरीदी, शान मसूद, जाहिद महमूद।

ऑस्ट्रेलिया = पैट कमिंस (कप्तान), एश्टन एगर, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, मार्कस हैरिस, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुस्चगने, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, स्टीव स्मिथ (उप-कप्तान), मिशेल स्टार्क, मार्क स्टेकेटी, मिशेल स्वेपसन, डेविड वार्नर। स्टैंडबाय पर= सीन एबॉट, ब्रेंडन डोगेट, निक मैडिन्सन, मैथ्यू रेनशॉ।

आईसीसी ने रावलपिंडी पिच को औसत से निचले दर्जे का बताया नकारात्मक अंक भी दिया

रावलपिंडी । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी रावलपिंडी स्टेडियम की पिच की आलोचना करते हुए उसे औसत से निचले स्तर का बताते हुए एक नकारात्मक अंक दिया है। इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच हुआ पहला क्रिकेट टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था। पांच दिनों में केवल 14 विकेट ही गिरे थे और दौनो ही टीमों ने बड़े स्कोर बनाये थे। दिग्गज क्रिकेटरों की आलोचना के बाद पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी माना था कि ऐसी पिच से टेस्ट क्रिकेट को नुकसान ही होता है। आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रंजन मदुगले ने इस पिच को औसम से भी खराब बताया और इस पिच को आईसीसी की पिच एवं आउटफील्ड निगरानी प्रक्रिया के तहत एक 'नकारात्मक अंक दिया गया है। मदुगले ने आईसीसी के बयान में कहा, 'पिच का व्यवहार पांच दिन के अंदर नहीं बदला। इसमें उछाल थोड़ा कम होने के अलावा अन्य कोई भी बदलाव नहीं आया। इस पिच में तेज गेंदबाजों के लिए बहुत अधिक गति और उछाल नहीं था और न ही मैच के आगे बढ़ने पर स्पिनरों को सहायता मिली। उन्होंने कहा, 'मेरे विचार में ऐसे में बल्ले और गेंद के बीच समान प्रतिस्पर्धा संभव नहीं थी। इसलिए आईसीसी के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए मैं इस पिच को औसत से खराब करार दे रहा हूं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड माना- आईपीएल 2022 के लिए स्टार क्रिकेटरों को दी आगामी सीरीज से छुट्टी

खेल डैस्क ।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने आईपीएल 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाडियों की उपलब्धता पर सारे संदेह दूर कर दिए हैं। शुक्रवार को न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की कि वह नीदरलैंड के खिलाफ आगामी टी-20 और 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए ऐसी टीम तैयार कर रहे हैं जिसमें आईपीएल में खेलने वाले उनके प्लेयर नहीं होंगे। इससे केन विलियमसन, ट्रेंट बोल्ट और टिम साउथी सहित सभी 12 खिलाड़ी 26 मार्च से पहले ही अपनी आईपीएल टीमों से जुड़ जाएंगे। न्यूजीलैंड ने 26 मार्च को एकमात्र टी-20 मैच खेलना है जबकि इसके बाद 3 वनडे 29 मार्च से शुरू होंगे जोकि 4 अप्रैल तक चलेंगे। अगर न्यूजीलैंड के यह 12 खिलाड़ी बोर्ड रोक लेता तो वह आईपीएल के पहले दो सप्ताह उपलब्ध नहीं होने थे क्योंकि भारत में आकर इन्हें अपना क्वारंटाइन भी पूरा करना था।

अब न्यूजीलैंड के ये खिलाड़ी अगले सप्ताह भारत के लिए रवाना हो जाएंगे ताकि अपनी टीमों के कैंपों में प्रैक्टिस कर सकें। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन गुजरात टाइटन्स तो इसी सप्ताह टीम में शामिल हो जाएंगे। जबकि डेवोन कॉनवे, डेरिल मिशेल 15 मार्च तक टीम से जुड़ेंगे। वहीं, दक्षिण अफ्रीकी प्लेयरों की बात की जाए तो उनके दिग्गज प्लेयर बांगलादेश के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रहे हैं।

इस दौरान आठ सितारे आईपीएल के शुरूआती कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। इस ममले में बीसीसीआई क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका से बातचीत कर रहा है। अगर राहत मिलती है तो अफ्रीकी स्टार भी आईपीएल के शुरूआत में ही उपलब्ध हो सकते हैं।

आईपीएल 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाड़ी

केन विलियमसन (हैदराबाद), लॉकी फर्ग्यूसन (गुजरात), ट्रेंट बोल्ट (राजस्थान), एडम मिल्ने (चेन्नई), मिशेल सेंटनर (चेन्नई), टिम साउथी (कोलकाता), जेम्स नीशम (राजस्थान), ग्लेन फिलिप्स (हैदराबाद), डेवोन कॉनवे (चेन्नई), फिन एलन (बेंगलुरु), टिम सेफर्ट (दिल्ली), डेरिल मिशेल (राजस्थान)

संक्षिप्त समाचार

भारत-श्रीलंका मैच में 100 फीसदी दर्शकों को मिलेगा प्रवेश

बेंगलुरु । यहां शनिवार से भारत और श्रीलंका के बीच होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 100 फीसदी दर्शकों को प्रवेश की अनुमति दी दी गयी है। कोविड-19 का खतरा कम होने बाद यह पहली बार है जब दिन-रात्रि के इस टेस्ट में पूरी क्षमता से स्टेडियम भरा रहेगा। कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएसएसीए) ने राज्य सरकार से मंजूरी मिलने के बाद सौ फीसदी दर्शकों को प्रवेश देना तय किया है। केएसएसीए के कोषाध्यक्ष विनय मृत्युंजय के अनुसार पहले दो दिनों के लिए जनता के लिए उपलब्ध 10 हजार टिकट पहले ही बिक गये हैं। दर्शकों के लिए पूरे स्टेडियम को खोलने के फैसले के बाद केएससीए ने बढ़ती मांग को देखते हुए अतिरिक्त टिकटों की ब्रिकी शुरू की है। एसोसिएशन ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, दर्शकों की मौजूदगी पर लगे प्रतिबंधों के हटने और बढ़ती टिकट मांग को ध्यान में रखते हुए केएससीए स्टेडियम की पूरी क्षमता के लिए टिकटों की बिक्री शुरू कर देगा। जून 2018 के बाद बेंगलुरु पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। जनवरी 2020 में अंतिम बार इस मैदान पर अंतरराष्ट्रीय मैच का आयोजन हुआ था जब ऑस्ट्रेलिया ने एक छोटी एकदिवसीय सीरीज़ के लिए भारत का दौरा किया था। कुल मिलाकर यह घर पर भारत का तीसरा गुलाबी गेंद का टेस्ट मैच होगा। नवंबर 2019 में भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में और फरवरी 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेला है।

इंडियन वेल्स के दूसरे दौर में पहुंची ओसाका और यूलिया

इंडियन वेल्स । जापान की महिला टेनिस स्टार नाओमी ओसाका बीएनपी परीबस ओपन टेनिस के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। ओसाका ने पहले ही दौर में अमेरिका की स्लोएने स्टीफेंस को 3-6, 6-1, 6-2 से हराया। ओसाका ने तीसरे सेट में 2-0 से पिछड़ने के बाद तीन ब्रेक अंक लेकर अच्छी वापसी करते हुए दो घंटे के अंदर ही मैच जीत लिया। इस सेट में उन्होंने तीन बार स्टीफेंस की सर्विस को तोड़ा। ओसाका साल 2019 के बाद से ही पहली बार यहां परीबस ओपन में खेल रही है। जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अंतिम 32 में हारने के बाद से ही इस खिलाड़ी ने एक भी टूर्नामेंट नहीं खेला है। ओसाका मानसिक स्वास्थ्य कारणों से पिछले साल फ्रेंच ओपन से बाहर थीं। ओसाका के अलावा पहले दौर में कजाखस्तान की यूलिया पुतिनत्सेवा, डारिया सेविले और टेरेजा मार्तिनकोवा भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। वहीं पुरूष वर्ग में अमरीका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड, जेंसन ब्रूक्सबी, जैक सोक और जे जे वोल्फ भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गए हैं।

एएफसी एशिया कप क्वालिफायर के लिए भारतीय टीम हांगकांग, अफगानिस्तान और कंबोडिया के साथ

नई दिल्ली ।

एएफसी एशिया कप चीन 2023 के अंतिम दौर के क्वालिफायर मुकाबलों के लिए भारत को ग्रुप डी में हांगकांग, अफगानिस्तान और कंबोडिया के साथ रखा गया है। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के जारी कार्यक्रम के अनुसार इस टूर्नामेंट का यह आखिरी चरण आठ जून को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में शुरू होगा और जिसमें भारतीय फुटबॉल टीम कंबोडिया से खेलेगी, जबकि उसके अगले दो मैच 11 जून को अफगानिस्तान और 14 जून को हांगकांग से होंगे। इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 24 टीमों को छह समूहों में बांटा गया है। किया गया है, जिसमें छह ग्रुप विजेता टीमें और दूसरे स्थान पर रहने वाली पांच सर्वश्रेष्ठ टीमें चीन में होने वाले एएफसी एशिया कप 2023 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय फुटबॉल टीम ने फीफा विश्व कप कतर 2022 और एएफसी एशियाई कप चीन 2023 के संयुक्त क्वालीफायर के दूसरे दौर में ग्रुप ई में तीसरे स्थान पर रहने के बाद एएफसी एशिया कप क्वालीफायर के तीसरे और अंतिम दौर में जगह बनाई थी। वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने कहा, 'कार्यक्रम हमेशा अच्छा या बुरा हो सकता है, लेकिन हमें अपना काम करने की जरूरत है। हमारी योजना मई के पहले हफ्ते से कोलकाता में अपना तैयारी शिविर शुरू करने की है, लेकिन मुंबई सिटी एफसी के खिलाड़ी एएफसी चैंपियंस लीग में क्लब की प्रतिबद्धताओं के कारण 29 मई से पहले उपलब्ध नहीं होंगे।

रोहित के जोड़ीदार के तौर पर मयंक को उतारे : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के अनुसार श्रीलंका के खिलाफ शनिवार से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के जोड़ीदार के तौर पर युवा बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को ही उतारना चाहिये। रोहित के जोड़ीदार लोकेश राहुल फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। वहीं मयंक के अलावा शुभमन गिल भी सलामी जोड़ीदार के तौर पर दावेदार हैं पर गावस्कर का मानना है कि शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में अच्छे प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा था पर हाल के दिनों में उन्होंने अधिक नहीं खेला है। ऐसे में मयंक को ही रोहित के जोड़ीदार के तौर पर उतारा जाना चाहिये। गावस्कर के अनुसार हाल ही में लगी चोट के कारण गिल ने पिछले कुछ महीनों में ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है। गावस्कर को लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली हैं पर यह भी सही है कि उसने पिछले दो महीनों में किसी भी तरह का क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी भी नहीं खेली , इसलिए अगर आपको भारत के लिए खेलना है तो आपको किसी न किसी तरह के अभ्यास की जरूरत है। सह सही है कि वह प्रतिभाशाली है पर अंत में प्रदर्शन मायने रखता है। गावस्कर को लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली हैं पर यह भी सही है कि उसने पिछले दो महीनों में किसी भी तरह का क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी भी नहीं खेली , इसलिए अगर आपको भारत के लिए खेलना है तो आपको किसी न किसी तरह के अभ्यास की जरूरत है। सह सही है कि वह प्रतिभाशाली है पर अंत में प्रदर्शन मायने रखता है। अग्रवाल की प्रशंसा करते हुए पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि अगर आप ध्यान से देखें, तो मयंक अग्रवाल हमेशा भारत की घरेलू श्रृंखला में बड़ा स्कोर करते हैं हालांकि विदेशी धरती पर अभी तक वह बड़ा स्कोर नहीं बना पाये हैं पर घरेलू मैदान पर उसे रखा जाना चाहिये।

करांची में हमें बेहतर पिच मिलने की उम्मीद: वॉर्नर

करांची । ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने कहा है कि उनकी टीम को उम्मीद है कि करांची में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अच्छी पिच मिलेगी। वहीं रावलपिंडी में हुए पहले टेस्ट में बेजान पिच सही नहीं होने के कारण जमकर रन बने थे और गेंदबाजों को कोई सहायता नहीं मिलने से मैच ड्रॉ रहा था। वॉर्नर ने कहा कि मैं ऐसा मैच चाहता हूं कि जो दर्शकों के लिये रोमांचक और मनोरंजक साबित हो। वार्नर के अलावा ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भी पिंडी क्रिकेट स्टेडियम की पिच को बेजान बताया था। वॉर्नर ने कहा गेंद पिच पर सपाट और धीमी आ रही थी। इसमें उछाल भी नहीं थी। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने भी माना है कि मैच ड्रॉ होना टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है। वहीं इसके अलावा वॉर्नर दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न के निधन से बेहद दुखी दिखे। इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें अभी तक वार्न के निधन की बात पर भरोसा नहीं हो पा रहा है। साथ ही कहा कि उनका अंतिम संस्कार हम सभी के लिए काफी भावुक पल होगा। उन्होंने कहा, 'बड़ी संख्या में विक्टोरिया के लोग मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीसी) पर एकत्र होकर वार्न को श्रृद्धांजलि देने पहुंचेंगे।

अगले दो टेस्ट मैचों के लिए बेहतर पिच बनवाएं पीसीबी : अफरीदी

लाहौर ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने रावलपिंडी स्टेडियम की पिच पर सवाल उठाये हैं। अफरीदी ने कहा कि जिस पिच पर पांच दिनों में सिर्फ 14 विकेट ही गिरे हों वह सही नहीं कही जा सकती है। इससे पहले प्रशंसकों ने भी रावलपिंडी की पिच को लेकर नाराजगी व्यक्त की थी। रावलपिंडी में पाकिस्तान ओर ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पिच का बचाव करते हुए कहा कि आईसीसी ने पिच को खराब रेटिंग नहीं दी है। अफरीदी के अनुसार आमतौर पर मेजबान टीम हार से बचने को प्राथमिकता देती है और इसलिए इस तरह की पिच तैयार की जा जाती है। साथ ही कहा कि अब लाहौर और कराची में अगले दो टेस्ट में उन्हें अच्छी पिचें बनानी होंगी। अगर आप ऐसा नहीं करते तो ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी हमें इसी तरह ही पिचों के लिए तैयार रहना होगा। अफरीदी ने पाक टीम के कप्तान बाबर आजम और टीम प्रबंधन के रक्षात्मक रवैये की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमारी गेंदबाजी की ताकत बहुत अच्छी है। हमारे तेज गेंदबाज इस ऑस्ट्रेलियाई टीम को आउट कर सकते थे पर इसके बाद भी आक्रामक रुख नहीं अपनाया गया। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो हमारे पास कई ऐसे बल्लेबाज हैं जो कंगारु आक्रमक का डटकर सामना कर सकते हैं। अब समय आ गया है कि हम भी बढ़ें। साथ ही कहा कि अगर आप चाहते हैं कि लोग आपको दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे देशों में गिनें तो आपको सकारात्मक बने रहने की जरूरत है।

रोहित खेलेंगे अपना 400 अंतरराष्ट्रीय मैच

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा शनिवार को यहां गुलाबी गेंद से श्रीलंका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। दिन-रात्रि के इस मैच में उतरते ही रोहित 400 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेलने वाले खिलाड़ियों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गये हैं। इस क्लब में अभी पूर्व कप्तान विराट कोहली, महेंद्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर , राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, युवराज सिंह, मोहम्मद अजहरुद्दीन और अनिल कुंबले जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय कप्तान इस सूची में शामिल होने वाले नौवें भारतीय बनेंगे। साल 2007 में पदार्पण करने वाले रोहित ने भारत के लिए अब तक 44 टेस्ट, 230 एकदिवसीय और 125 टी-20 मैच खेले हैं। इसके अलावा रोहित का मुकाबला गुलाबी गेंद से रन बनाने के मामले में विराट से भी होगा। पूर्व कप्तान विराट भारत के लिए गुलाबी टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने चार पारियों में 60.25 के औसत से 241 रन बनाए हैं। वहीं रोहित ने गुलाबी गेंद से 112 रन बनाये हैं और वह दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले साल अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ दिन-रात्रि के अंतिम मैच में 66 रन बनाए थे। विराट एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने गुलाबी गेंद से खेले टेस्ट मैच में शतक लगाया है। इसके बाद से ही वह शतक नहीं लगा पाये हैं। अब उनका लक्ष्य इस मैच में अपना 71 वां शतक लगाना रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तुलसी की खेती

कर्पूर तुलसी
काली तुलसी
वन तुलसी या राम तुलसी
जंगली तुलसी
होली बेसिल

श्री तुलसी या श्यामा तुलसी

तुलसी अत्यधिक औषधीय उपयोग का पौधा है। जिसकी महत्ता पुरानी चिकित्सा पद्धति एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धति दोनों में है। वर्तमान में इससे अनेकों खाँसी की दवाएँ साबुन, हेयर शैम्पू आदि बनाए जाते लगे हैं। जिससे तुलसी के उत्पाद की मांग काफी बढ़ गई है। अत- मांग की पूर्ति बिना खेती के संभव नहीं हैं।

मृदा व जलवायु

इसकी खेती, कम उपजाऊ जमीन जिसमें पानी की निकासी का उचित प्रबंध हो, अच्छी होती है बलूई दोमट जमीन इसके लिए बहुत उपयुक्त होती हैं। इसके लिए उष्ण कटिबंध एवं कटिबंधीय दोनों तरह जलवायु होती है।

परिचय

तुलसी की ओसिमम प्रजाति को तेल उत्पादन के लिए उगाया जाता है। तुलसी की इस प्रजाति की भारत में बड़े पैमाने पर खेती होती है। उत्तर प्रदेश में बरेली, बादयूं, मुरादाबाद और सीतापुर जिलों में तथा बिहार के मुंगेर जिला में इसकी खेती की जाती है। इसका प्रयोग परफ्यूम व कास्मेटिक इंडस्ट्रीज में अधिक होता है। तूलसी की ओसीमस सेंक्टेम प्रजाति के सारभूत तेल की अधिक कीमत होती है, किन्तु तेल की मात्रा कम मिलती है।

तुलसी की विभिन्न प्रजतियां

भारत में तुलसी का पौधा धार्मिक एवं औषधीय महत्व का है। इसे हिंदी में तुलसी, संस्कृत में सुलभा, ग्राम्या, बहूभंजरी एवं अंग्रेजी में होली बेसिल के नाम से जाना जाता है। लेमिएसी कूल के इस पौधे की विश्व में 150 से ज्यादा प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इसकी मूल प्रकृति एवं गुण एक समान हैं।

प्रमुख प्रजातियाँ निम्न प्रकार हैं

बेसिल तुलसी या फ्रेंच बेसिल

डाउनलोड करें किसान समाधान एंड्राइड एप्प और जाने अन्य व्यापारिक फसलों की जानकारी

स्वीट फेंच बेसिल या बोबई तुलसी

बुवाई / रोपाई

इसकी खेती बीज द्वारा होती है लेकिन खेती में बीज की बुवाई सीधे नहीं करनी चाहिए। पहले इसकी नर्सरी तैयार करनी चाहिए। बाद में उसकी रोपाई करनी चाहिए।

पौध तैयार करना

जमीन की 15 - 20 सेमी. गहरी खुदाई कर के खरपतवार आदि निकाल तैयार करा लेना चाहिए। 15 टन प्रति हे. की दर से गोबर की सड़ी खाद अच्छी तरह से मिला देना चाहिए। 1 मी. ङ्ग 1 मी. आकार की जमीन सतह से उभरी हुई क्यारियां बना कर उचित मात्र में कंपोस्ट एवं उर्वरक मिला दिन चाहिए। 750 ग्रा. - 1 किग्रा. बीज एक हेक्टयेर के लिए पर्याप्त होता है। बीज की बुवाई 1=10 के अनुपात में रेत या बालू मिला कर 8-10 सेमी. की दूरी पर पक्तियां में करनी चाहिए। बीज की गहराई अधिक नहीं होनी चाहिए। जमाव के 15-20 दिन बाद 20 कि./ हे. की दर से नेत्रजन डालना उपयोगी होता है। पांच- छह सप्ताह में पौध रोपाई हेतु तैयार हो जाती है।

भूमि की तैयारी

जमीन की तैयारी ठीक तरह से कर लेनी चाहिए। जमीन जों के दूसरे सप्ताह तक तैयार हो जानी चाहिए।

रोपाई

सूखे मौसम में रोपाई हमेशा दोपहर के बाद करनी चाहिए। रोपाई के बाद खेत को सिंचाई तुरंत कर देनी चाहिए। बादल या हल्की वर्षा वाले दिन इसकी रोपाई के लिए बहुत उपयुक्त होते हैं। इसकी रोपाई लाइन में लाइन 60 से. मी. तथा पौधे से पौधे 30 से. मी. की दूरी पर करनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

इसकी पहली निराई गुड़ाई रोपाई के एक माह बाद करनी चाहिए। दूसरी निराई - गुड़ाई पहली निराई के 3-4 सप्ताह बाद करनी चाहिए। बड़े क्षेत्रों में गुड़ाई ट्रैक्टर से की जा सकती है।

उर्वरक

इसके लिए 15 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद जमीन में डालना चाहिए। इसके अलावा 75-80 किग्रा. नेत्रजन 40-40 किग्रा. फास्फोरस व पोटाश की आवश्यता होती है। रोपाई के पहले एक तिहाई नेत्रजन तथा फस्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा खेत में डालकर जमीन में मिला देने चाहिए। शेष नेत्रजन की मात्रा दो बार में खड़ी फसल में डालना चाहिए।

कटाई

जब पौधे में पूरी तरह से फूल आ जाए तथा नीचे के पत्ते पीले पड़ने लगे तो इसकी कटाई कर लेनी चाहिए। रोपाई के 10-12 सप्ताह के बाद यह कटाई के लिए तैयार हो जाती है।

आसवन

तुलसी का तेल पूरे पौधे के आसवन से प्राप्त होता है। इसका आसवन, जल तथा वाष्प, आसवन, दोनों विधि से किया जा सकता है। लेकिन वाष्प आसवन सबसे ज्यादा उपयुक्त होता है। कटाई के बाद तुलसी के पौधे को 4-5 घंटे छोड़ देना चाहिए। इससे आसवन में सुविधा होती है।

आय - व्यय विवरण

प्रति हेक्टेयर व्यय - रू. 10,500
तेल का पैदावार - 85 किलो प्रति हेक्टेयर
टेल की कीमत - 450 - रूपया प्रति किलो - 8/5 ङ्ग 450 = 38,250
शुद्ध लाभ : रू. 38, 250 - 10,500 = 27,750

पैदावार

इसके फसल की औसत पैदावार 20 - 25 टन प्रति हेक्टेयर तथा तेल का पैदावार 80-100 किग्रा. हेक्टेयर तक होता है।

गुडमार औषधीय पौधे की खेती

गुडमार की खेती

विश्व में पाये जाने वाले अनेकों बहुमूल्य औषधीय पौधों में गुडमार एक बहुउपयोगी औषधीय पौधा है। यह एस्कलपिडेसी कुल का सदस्य है। इसका वानस्पतिक नाम जिमनिमा सिलवेस्ट्री है। गुडमार के पत्ते तथा जड़ औषधीय रूप में उपयोग किये जाते हैं।

वानस्पतिक विवरण

गुडमार बहुवर्षीय लता है। गुडमार की शाखाओं पर सूक्ष्म रोयें पाये जाते हैं। पत्ते अभिमुखी मृदूरोमेश अग्रभाग की तरफ नोकदार होते हैं। एस पर पीले रंग के गुच्छेनुमा फूल अगस्त - सितम्बर माह में खिलते हैं। गुडमार के फल लगभग 2 इंच लम्बे एवं कठोर होते हैं तथा बीज छोटे एवं काले - भूरे रंग के होते हैं।

भौगोलिक वितरण

यह भारत वर्ष के विभिन्न भागों जैसे - मध्य भारत, पशिचमी घाट, कोकण, त्रवनकोर क्षेत्र के वनों में पाया जाता हैं। गुडमार मध्य प्रदेश के विभिन्न वन क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से काष्ठीय रोयेंदार लता के रूप में पाये जाने वाली वनस्पति हैं।

औषधीय उपयोग

गुडमार की पत्तियों का उपयोग मुख्यत- मधुमेह - नियंत्रण औषधीयों के निर्माण में किया जाता है। इसके सेवन से रक्तगत शर्करा की मात्रा कम हो जाती है, साथ ही पेशाब में शर्करा का आना स्वत- बंद हो जाता है। सर्पविष में गुडमार की जड़ को पीसकर या काढ़ा पिलाने से लाभ होता है। पत्ती या छाल का रस पेट के कीड़े मारने में उपयोग करते हैं। गुडमार यकृत को उत्तेजित करता है और अप्रत्यक्ष रूप से अग्नाशय की इन्सुलिन स्राव करने वाली ग्रंथियों की सहायता करता है। जड़ों का उपयोग खांसी, हृदय रोग, पुराने ज्वार, वात रोग तथा सफ़ेद दाग के उपचार हेतु किया जाता है।

रासायनिक संगठन

पत्तियों में जिम्नेमिक अम्ल, फ्वेरसियल, एन्थ्रान्वोनोन, जिम्नोसाइडस, सेपोनिन तथा कैल्सियम आक्जेलेट रसायन पाये जाते हैं।

भूमि

गुडमार की खेती के लिए उचित जल निकास वाली दोमट मिटटी अच्छी होती है। गर्मियों में दो बार आड़ी - खड़ी जुताई कर एवं पाटा चलाकर खेत तैयार कर लेना चाहिए। पाटा चलाकर मिटटी को भुरभुरी व समतल कर लेना चाहिए।

बीज

बीजों से खेती करने के लिए रोपनी में पौधा तैयार करना चाहिए। बीज बोने से पूर्व 3 ग्राम डायथेन एम 45 या बावेस्टीन नामक फफूंदनाशक से बीजों को उपचारित करना चाहिए। उपचारित बीजों को पहले से भरी पालीथीन की थैलियों में बो देना चाहिए। बीजों को बोने व रोपणी बनाने का सही समय अप्रैल - मई माह होता है। माह जुलाई - अगस्त तक पौधे खेत में रोपित करने योग हो जाते है।

कलम द्वारा पौध बनाकर

गुडमार की खेती पुराने पौधों की कलम से पौध बनाकर भी की जा सकती है। इसके लिए जनवरी - फ़रवरी माह उत्तम होता है। पालीथीन बैग में पौध तैयार कर जुलाई - अगस्त माह में खेत में रोपित किया जा सकता है। गुडमार एक बहुवर्षीय लता है। यह लगभग 20 - 30 वर्षों तक उपज देती रहती है।

रोपण

रोपण हेतु 1 म 1 मी. की दुरी पर तैयार किये गये गड्ढों में बारिश प्रारम्भ होने के पश्चात् जुलाई - अगस्त माह में रोपित कर दिए जाते हैं प्रति गड्ढा 5 किलोग्राम गोबर की पक्की खाद एवं 50 ग्राम नीम की खली डालनी चाहिए। गुडमार की खेती के लिए प्रति हेक्टेयर 10,000 पौधों की आवश्यकता होती है।

आरोहन व्यवस्था

गुडमार एक लता है। आरोहन व्यवस्था के लिए बांस, लोहे के एंगल एवं तारों का उपयोग करना चाहिए।

सिंचाई

गर्मी के समय 10 15 दिन तथा सर्दियों में 20 - 25 दिन के अंतराल में एक बार सिंचाई की जाय तो इसकी बढवार के लिए काफी अच्छा रहता है।

फसल सुरक्षा

कभी - कभी अधिक बारिश के कारण पौधों में पीलेपन की समस्या आती है। इसके लिए बोनी के समय 10 कि.ग्रा. फ़र्स सल्फेट का प्रयोग प्रति हेक्टेयर की दर से किया जाना चाहिए।

फसल कटाई

गुडमार की खेती मुख्य रूप से इसकी पत्तियों के लिए की जाती है। रोपण के प्रथम वर्ष से ही पत्ते प्राप्त होना प्रारम्भ हो जाते हैं। समय बढ़ने के साथ - साथ इसकी लताए बढती रहती हैं तथा फसल की उपज भी बढती जाती है। गुडमार की फसल एक बार लगाने के बाद लगभग 20 - 25 वर्षों तक फसल देती रहती है। सिंचित अवस्था में दो बार पत्तों की तुडाई की जा सकती है।

पहली सितम्बर - अक्तूबर में तथा दूसरी अप्रैल - मई में 7 गुडमार की परिपक्व एवं चयनित पत्तियों को तोड़कर उन्हें छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। ग्रीष्म ऋतू में पौधों की परिपक फलियाँ एकत्र कर सुखाई जाती है। फलियों को एकत्र करते समय ध्यान रखना चाहिए की फलियाँ चटक न गई हो अन्यथा बीज उड़ जायेंगे, क्योंकि इनपर रुई लगी रहती है। एस प्रकार प्रति वर्ष पत्तियों को दो बार तुडाई करने पर तीसरे वर्ष से प्रत्येक पौधे से लगभग 5 कि.ग्रा. गीली पत्तियां अथवा एक किलोग्राम सुखी पत्तियां प्राप्त होती है। एक हेक्टेयर में लगभग 4 - 6 क्विंटल सुखी पत्तियां प्राप्त होती है।

संग्रहण काल

माह दिसम्बर - जनवरी में गुडमार की पत्तियों को चुनकर एकत्र करना चाहिए एवं इनकी जड़ों को ग्रीष्म ऋतू में उखड़ना चाहिए।

विनाश विहीन विदोहन प्रक्रिया

माह दिसम्बर - जनवरी में इसके पत्तों को हाथ से चुनकर एकत्र करना चाहिए। पत्तियां एकत्र करने के लिए पौधे को नहीं काटना चाहिए।

कुल प्राप्तियां

गुडमार की खेती से किसान 25 से 30 हजार रु, प्रति हेक्टेयर आय अर्जित कर सकता है।

पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र के कथित उल्लंघन पर दर्ज कराई आपत्ति

भारत के दूतावास प्रभारी को किया तलब

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र के कथित उल्लंघन पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। पाकिस्तान ने भारत के दूतावास प्रभारी को तलब कर 'उड़ने वाली भारतीय सुपर-सोनिक वस्तु' द्वारा उसके हवाई क्षेत्र का कथित रूप से बिना उकसावे के उल्लंघन करने पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया और घटना की विस्तृत एवं पारदर्शी जांच की मांग की। विदेश कार्यालय ने मध्यरात्रि के बाद जारी एक बयान में कहा कि भारतीय राजनयिक को गुरुवार रात को 'उड़ने वाली भारतीय सुपर-सोनिक वस्तु' द्वारा उसके हवाई क्षेत्र के कथित उल्लंघन के बारे में बताया गया। यह वस्तु भारत में 'सूरतगढ़' से नौ मार्च को स्थानीय समयानुसार शाम छह बजकर 43 मिनट पर पाकिस्तान में घुसी थी। बाद में यह वस्तु पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के मियां चुन्नु शहर में उसी दिन शाम छह बजकर 50 मिनट पर जमीन पर गिरी, जिससे असैन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचा। विदेश कार्यालय ने कहा, 'भारतीय राजनयिक को बताया गया कि इस उड़ने वाली वस्तु को अविवेकपूर्ण तरीके से छोड़े जाने से न केवल असैन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचा बल्कि इससे मानवीय जीवन पर भी खतरा पैदा हुआ।'

उसने कहा कि इससे पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में कई घरेलू/अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को भी खतरा पहुंचा और इसके चलते गंभीर विमान दुर्घटना हो सकती थी। अभी भारत ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पाकिस्तान ने भारत से इस घटना की विस्तृत एवं पारदर्शी जांच करने तथा उसके नतीजे अपने साथ साझा किए जाने को भी कहा है।

भारतीय लेखिका गीतांजलि श्री की अनूदित पुस्तक बुकर पुरस्कार सूची के लिए चयनीत

लंदन ।

देश की ख्यात लेखिका गीतांजलि श्री का हिंदी से अंग्रेजी में अनूदित उपन्यास 'टॉम्ब ऑफ सैंड' विश्व की उन 13 पुस्तकों में शामिल है, जिसे अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार के लिए संक्षिप्त सूची में शामिल किया गया है। यह हिंदी में पहला 'फिक्शन' है जो इस प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कार की दौड़ में शामिल है। गीतांजलि श्री की यह पुस्तक मूल रूप से हिंदी में 'रेत समाधि' के नाम से प्रकाशित हुई थी। इसका अंग्रेजी अनुवाद, 'टॉम्ब ऑफ सैंड', डेजी रॉकवेल ने किया है और जूरी सदस्यों ने इसे शानदार और अकाट्य बताया है, जो 50,000 पाउंड के लिए प्रतिस्पर्धा करेगा। पुरस्कार की राशि लेखिका और अनुवादक के बीच विभाजित की जाएगी। बुकर पुरस्कार की वेबसाइट पर की गई घोषणा में कहा गया है, '13 उपन्यासों की सूची घोषित की गई है। वे 11 भाषाओं से अंग्रेजी में अनूदित फिक्शन हैं और चार महाद्वीपों के 12 देशों से हैं। इसमें हिंदी से अनूदित पुस्तक पहली बार शामिल की गई है।' जूरी सदस्यों ने इस उपन्यास के बारे में कहा कि यह पुस्तक 'हमें 80 वर्षीय महिला के जीवन के हर पहलू और आश्चर्यचकित कर देने वाले अतीत में ले जाती है।' यह बूढ़ी महिला अपने अवसाद से उबर जाती है और अपने अतीत को देखने के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने का फैसला करती है, जिसे वह देश के विभाजन के दौरान पीछे छोड़ आई थी। उन्होंने कहा कि उपन्यास का डेजी रॉकवेल का अनुवाद खब्दों के खेल से भरा हुआ है। यह एक शानदार और अकाट्य उपन्यास है। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से ताल्लुक रखने वाली गीतांजलि श्री तीन उपन्यास और कई कथा संग्रह की लेखिका हैं। उनकी कृतियों का अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, सर्बियन और कोरियन भाषाओं में अनुवाद हुआ है।

सूची में अपनी पुस्तक को शामिल किये जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, 'लेखन अपने आप में एक पुरस्कार है।

रूसी सेना ने यूक्रेन के पश्चिमी शहरों इवानो फ्रेंकिव्स्क और लुत्स्क पर किए हवाई हमले

मारियुपोल।

रूसी सेना ने यूक्रेन के पश्चिमी शहरों इवानो-फ्रैंकिव्स्क और लुत्स्क में हवाई अड्डों के पास हमले किए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ये दोनों ही शहर रूस के अभी तक के प्रमुख निशाना रहे इलाकों से काफी दूर हैं। इन शहरों पर हमले रूस द्वारा युद्ध को एक नई दिशा में ले जाने का संकेत देते हैं। इवानो-फ्रैंकिव्स्क के मेयर रुस्लान मार्टसिंकीव ने हवाई हमले संबंधी अलर्ट जारी होने के बाद स्थानीय लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। लुत्स्क के मेयर ने भी हवाई अड्डे के पास हवाई हमले की जानकारी दी है। किसी के हताहत होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। इस बीच, कुछ नई उपग्रह तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें यूक्रेन की राजधानी कीव के बाहर एक विशाल काफिला नजर आ रहा है। कीव के पास के कस्बों और जंगलों में सैन्य तैनाती से स्थिति बदतर होने के संकेत मिल रहे हैं। रूस को अलग-थलग करने और प्रतिबंध लगाने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के बीच ये तस्वीरें सामने आईं, खासकर बंदरगाह शहर मारियुपोल में एक प्रसूति अस्पताल पर एक घातक हवाई हमले के बाद। अधिकारियों ने इसे युद्ध अपराध करार दिया है। इस बीच, अमेरिका और अन्य राष्ट्र शुक्रवार को, व्यापार के लिए सबसे पसंदीदा राष्ट्र का रूस का दर्जा रद्द करने की घोषणा करेंगे, जो कुछ रूसी आयातों पर उच्च शुल्क लगाने की अनुमति देगा।

रूस ने पश्चिमी देशों को खनिज आपूर्ति बंद करने की दी चेतावनी

मास्क ।

रूस ने पश्चिमी देशों पर जवाबी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इन घोषणाओं के तहत रूस पश्चिमी देशों के लिए टेलीकाम, मेडिकल, आटो, कृषि, इलेक्ट्रिकल और टेक्निकल उपकरणों का निर्यात बंद करेगा। साथ ही राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि पश्चिमी देशों ने मुश्किलें पैदा करने वाली हरकतें बंद नहीं कीं तो दुनिया को उर्वरक की कीमतों में भारी बढ़ोतरी झेलनी पड़ सकती है। विदित हो कि कृषि में उपयोग होने वाले उर्वरक में पड़ने वाले खनिज पदार्थों का रूस सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। पिछले माह के अंत से यूक्रेन में जारी रूसी हमलों के मद्देनजर एकजुट हो पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध समेत कई कड़े प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। इसके अलावा अनेकों बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने वहां अपने संचालन को बंद कर दिया है। इनमें कई टेक कंपनियां तो हैं ही मैकडोनाल्ड और कोका कोला भी शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने अपनी आपात कोष से यूक्रेन के लिए 1.4 अरब डालर (करीब 10,500 करोड़ रुपये) की सहायता स्वीकृत की है। यह सहायता रूसी हमले से यूक्रेन को हुए नुकसान से पैदा हुई आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दी गई है। अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने यूक्रेन के लिए 5.3 करोड़ डालर (करीब 405 करोड़ रुपये) की सहायता का एलान किया है। रूस की सरकार ने कहा कि रूस के ऊर्जा मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से बात की और ईंधन और ऊर्जा उद्योग में वर्तमान और चर्चा की और कहा कि वर्तमान परियोजनाओं को लगातार लागू किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

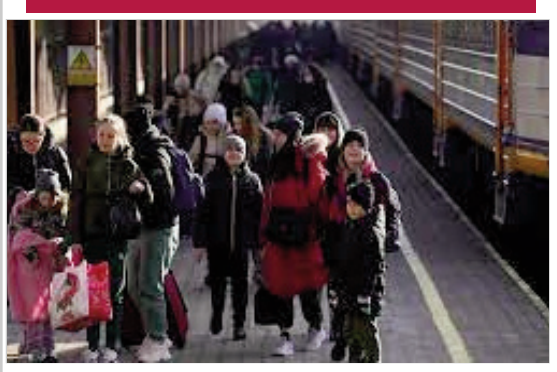

25 लाख लोगों ने यूक्रेन छोड़ा, पड़ोसी देश बन रहे शरणस्थली

जिनेवा । युद्धग्रस्त देश यूक्रेन में प्रवासियों की दुर्गति के चलते अंतरराष्ट्रीय संस्था अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) का कहना है कि यक्रेन पर दो सप्ताह पहले हुए रूसी हमले के बाद से करीब 25 लाख लोगों ने देश छोड़ा है। आईओएम प्रवक्ता पॉल डिल्कन ने एक संदेश में कहा कि सरकारों से मिली यह संख्या शुक्रवार सुबह तक देश छोड़ने वालों की है। उन्होंने बताया कि 15 लाख से ज्यादा शरणार्थी पड़ोसी देश पोलैंड में गए हैं और करीब 1,16,000 शरणार्थी अन्य देशों के नागरिक हैं। संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी मामलों के उच्चायुक्त फिलिप्पो ग्रांडी ने भी 25 लाख शरणार्थियों का आंकड़ा दिया और कहा कि उनकी एजेंसी का अनुमान है कि यूक्रेन के भीतर करीब 20 लाख लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है।

चीन के पीएम के तौर पर ली केकियांग का यह आखिरी साल

बीजिंग । चीन के प्रधानमंत्री ली केकियांग ने शुक्रवार को कहा कि वह पांच साल के कार्यकाल के बाद इस साल सेवानिवृत्त हो जाएंगे। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के दूसरे नंबर के नेता ली केकियांग (66) ने कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर यह मेरा आखिरी वर्ष है। ली का सरकार के अन्य सदस्यों के साथ इस साल सेवानिवृत्त होना तय है। सीपीसी कांग्रेस में सभी स्तरों पर एक नए नेतृत्व का गठन किया जाएगा। सीपीसी के नियम के अनुसार पार्टी और सरकार का नेतृत्व करने वाले नेता पांच साल के दो कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त होते हैं। सेना और राष्ट्रपति कार्यालय का नेतृत्व करने के अलावा सीपीसी की अध्यक्षता करने वाले शी (68) के अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत सत्ता में बने रहने की तैयारी है। उनके इस साल 10 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद जीवनभर सत्ता में रहने की संभावना है।

सऊदी अरब में तेल शोधन संयंत्र पर ड्रोन से हमला

रियाद । सऊदी अरब की राजधानी रियाद में एक तेलशोधन संयंत्र पर ड्रोन से हमला किया गया, जिससे वहां मामूली आग लग गई। हालांकि, इससे कोई नुकसान नहीं हुआ और ना ही आपूर्ति प्रभावित हुई है। ऊर्जा मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बयान में ड्रोन हमला कहा से किया गया, इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। हमले की अभी तक किसी ने जिम्मेदारी भी नहीं ली है। देश के तेल प्रतिष्ठानों पर यमन के हूती विद्रोहियों ने पहले भी कई हमले किए हैं। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने 2019 में पूर्वी प्रांत में अब कैक तेल प्रसंस्करण प्रतिष्ठान पर हुए एक भीषण हमले की जिम्मेदारी भी ली थी। यहां कि एक सरकारी प्रेस एजेंसी ने मंत्रालय का बयान गुरुवार को देर रात जारी किया। हमला गुरुवार सुबह किया गया था। मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के हमले न केवल सऊदी अरब को निशाना बनाते हैं, बल्कि दुनिया में ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा एवं स्थिरता को भी प्रभावित करते हैं। गौरतलब है कि सऊदी अरब, यमन की राजधानी सना में 2015 से हूती विद्रोहियों का मुकाबला कर रहा है, जिन्होंने राजधानी पर कब्जा कर वहां की सरकार को बेदखल कर दिया था। सात साल की लड़ाई के बावजूद सना और उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्सों पर हूती विद्रोहियों का कब्जा कायम है।

पाक के पार्लियामेंट लॉज में दबिश के बाद 10 लोग हिरासत में

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पुलिस द्वारा पार्लियामेंट लॉज के अंदर एक अभियान चलाने और जेयूआई-एफ एमएनए सलाहुद्दीन अयूबी और मौलाना जमाल-उद-दीन सहित 19 गिरफ्तारियों के बाद विपक्षी दलों में हंगामा हुआ। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के एक वर्दीधारी स्वयंसेवी बल अंसारुल इस्लाम के सदस्यों द्वारा बड़ी संख्या में संसद के लॉज में प्रवेश करने के बाद पुलिस कार्रवाई हुई। इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक मुहम्मद अहसान यूनुस ने लॉज के अंदर समूह की मौजूदगी पर ध्यान दिया। राजधानी पुलिस के आधिकारिक अकाउंट से पोस्ट किए गए एक ट्वीट के अनुसार, उन्होंने डी-चौक के प्रभारी अधिकारियों को निलंबित कर दिया, जिनकी निगरानी में अंसारुल इस्लाम के कार्यकर्ता लॉज में घुसे थे। इसके बाद, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ऑपरेशन का नेतृत्व किया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस्लामाबाद पुलिस ने दो जेयूआई-एफ सांसदों और अंसारुल इस्लाम के कार्यकर्ताओं को रिहा कर दिया है, जिन्हें शुक्रवार को पार्लियामेंट लॉज के अंदर एक पुलिस ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तार किया गया था। गुरुवार शाम को, इस्लामाबाद पुलिस ने पार्लियामेंट लॉज पर धावा बोल दिया और एक दर्जन से अधिक अंसार-उल-इस्लाम कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया - जेयूआई के एक वर्दीधारी स्वयंसेवी बल, जिसमें एमएनए मौलाना जमालुद्दीन, सलाहुद्दीन अयूबी और प्रवक्ता मुफ्ती अब्दुल्ला शामिल हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं और सांसदों की गिरफ्तारी के बाद, जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने देशव्यापी विरोध का आह्वान किया था और पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रदर्शन करने का निर्देश दिया था, बाद में देर रात फजलुर रहमान ने सुबह तक विरोध प्रदर्शन बंद कर दिया ।

अमेरिका ने यूक्रेनी परिवार को देश में शरण लेने अनुम ति दी

तिजुआना । अमेरिकी अधिकारियों ने एक यूक्रेनी महिला और उसके तीन बच्चों को देश में शरण लेने की अनुमे ति दे दी। बुधवार को महिला को बाइडन प्रशासन के व्यापक प्रतिबंधों के तहत अमेरिका में प्रवेश देने से इनकार कर दिया गया था। चौंतीस वर्षीय महिला और उसके तीनों बच्चे, जिनकी उम्र छह, 12 और 14 साल है, सभी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए सैन डिएगो में दाखिल हुए। इससे पहले संसद में बहुमत के नेता चक शूमर सहित डेमोक्रेटिक पार्टी के अन्य सांसदों ने महिला को अमेरिका में शरण देने से मना करने के बाइडन प्रशासन के फैसले की आलोचना की थी। सेंटर फॉर जेंडर एंड रिफ्यूजी स्टडीज की विधि निदेशक ब्लेन बुके जब तिजुआना से सैन डिएगो लौट रही थीं, तब उन्होंने यूक्रेनी महिला और उसके बच्चों को रोते हुए देखा। चारों उस समय बहुत चिंतित लग रहे थे। बुके हैती के प्रवासियों की मदद के लिए तिजुआना गई थीं। उनके ट्वीट और मीडिया में इससे जुड़ी खबरों से पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन के आदेश की फिर से आलोचनाएं हुईं, जिसमें कोविड-19 के प्रसार पर लगाम लगाने का हवाला देते हुए शरण के इच्छुक लोगों को देश में प्रवेश की अनुमति देने से मना किया गया था। इस आदेश को टाइटल 42 के नाम से जाना जाता है।

डब्ल्यूएचओ ने यूक्रेन को पैथोजन नष्ट करने की दी सलाह

कीव ।

बीमारी फैलने की आशंका को देखते हुए विश्व स्वास्थय संगठन ने यूक्रेन को सलाह दी है कि वो अपने यहां पर मौजूद पैथोजोन को नष्ट कर दे। संगठन की तरफ से दी गई सलाह में ये भी कहा गया है कि किसी को भी ये न दिया जाए और न ही कहीं ये रहना चाहिए। डब्ल्यूएचओ ने ये भी कहा है कि खतरे की आशंका के मद्देनजर पब्लिक हेल्थ लैब में मौजूद खतरनाक पैथोजन को फौरन नष्ट करना जरूरी है। इसकी मौजूदगी लोगों को बड़ी संख्या को बीमार कर सकती है। बायोसिक्योरिटी एक्सपर्ट का कहना है कि यूक्रेन में जिस तरह से रूस बमबारी कर रहा है और उसकी सेनाएं यूक्रेन में अलग अलग हिस्सों से दाखिल हो रही हैं उसकी वजह से पैथोजन के जरिए लोगों में बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। इसलिए ऐसी हर उस जगह को नष्ट करने की जरूरत है जहां पर ये मौजूद है। गौरतलब है कि कई दूसरे देशों की ही तरह यूक्रेन में भी जानवरों पर होने वाले प्रभाव को देखने के लिए कई सारी लैब्स बनी हुई हैं। इनमें से कई सारी लैब्स को अमेरिका से मदद भी मिली है। इन लैब्स में खतरनाक बीमारियों के जानवरों पर होने वाले प्रभाव को देखा जाता है। हाल ही में कोरोना महामारी की जांच और इससे जुड़े दूसरे पहलूओं को जानने के लिए यहां पर अमेरिका के सहयोग से लैब बनाई गई थीं। इसमें यूरोपीयन यूनियन और डब्ल्यूएचओ का भी सहयोग यूक्रेन को हासिल हुआ था। डब्ल्यूएचओ से यूक्रेन को दी जाने वाली मदद और रूस के हमलों के मद्देनजर उभरे खतरे से संबंधित एक सवाल के जवाब में संगठन ने ईमेल के जरिए बताया है कि वे काफी समय से यूक्रेन की पब्लिक हेल्थ लैब्स के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका मकसद पैथोजन के किसी तरह से लीक हो जाने से होने वाले नुकसान को रोकना है। इस काम

में यूक्रेन को दिए गए सहयोग के चलते ही संगठन ने किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए पैथोजन को तुरंत नष्ट करने की सलाह दी है। हालांकि यूक्रेन की तरफ से अब तक इस बारे में कोई जवाब नहीं दिया गया है। एजेंसी ने अमेरिका स्थित यूक्रेन की एंबेसी से इस बाबत जवाब लेने की कोशिश की थी।

रूसी हमलों से यूक्रेन की सड़कों पर बिछी लाशें, सामूहिक कब्रों में दफनाए जा रहे शव

इंटरनेशनल डेस्क।

यूक्रेन पर 15वें दिन जारी रूस के हमले के बाद ेलादिमीर पुतिन प्रशासन ने दावा किया है कि अमेरिका यूक्रेन के अंदर जैविक हथियार बना रहा है और उसने इसके लिए कई लैब बना रखी है। इस बीच अमेरिका की विदेश मामलों की अंडर सेक्रेटरी विक्टोरिया नूलैंड ने खुलासा किया है कि वॉशिंगटन यूक्रेन के साथ मिलकर बॉयोलॉजिकल शोध केंद्रों को रूस के हाथों में पड़ने से रोकने के लिए काम कर रहा है। नूलैंड के यूक्रेन के अंदर बॉयोलॉजिकल लैब होने की पुष्टि करने से बवाल मच गया है। रूस और कोरोना को लेकर घिरे चीन ने अमेरिका से जवाब मांगा है। अमेरिका में रूसी राजदूत अनातोली एंटोनोव ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन में जैविक हथियारों के नियमों के उल्लंघन के तथ्यों की पुष्टि से चिंतित है। एंटोनोव ने कहा, 'विदेश विभाग के एक प्रतिनिधि के बयान से संकेत मिलता है कि अमेरिका को डर है कि इन सुविधाओं में संग्रहीत रोगजनक रूसी विशेषज्ञों के हाथों में पड़ जाएंगे। इस मामले में, यूक्रेन और अमेरिका द्वारा जैविक निषेध पर कन्वेंशन का उल्लंघन और टॉक्सिन वेपन्स की पुष्टि की जाएगी।' यूक्रेन के दक्षिणी शहर मारियुपोल के अधिकारी लड़ाई में मारे गये लोगों को सामूहिक कब्र में दफना रहे हैं। शहर पर लगातार बमबारी होने के बीच अधिकारी इस बात की प्रतीक्षा कर रहे हैं कि शवों का अलग अलग करके दफनाने का क्रम शुरू हो सके। लेकिन मुर्दाघरों के भर जाने एवं घरों से शव एकत्र नहीं किये जाने के कारण उन्होंने तय किया है कि उन्हें इस तरह के कदम उठाना होगा। शहर के एक पुराने समाधिस्थल पर 25 मीटर लंबा गड्ढा खोदा गया है। सामाजिक कार्यकर्ता यहां बुधवार को 30 शव लाये जबकि मंगलवार को 40शव लाये गये थे। उनमें गोलाबारी में मारे गये आम नागरिक एवं सैनिक दोनों ही शामिल है। इन शवों पर कोई शोक मनाने वाला भी नहीं है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि राजधानी कीव और इसके आसपास के शहरों से करीब 18,000 लोगों को निकालने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बुधवार को कहा कि यह कवायद यूक्रेन के भीतर कई मानवीय गलियारों से व्यापक निकासी प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने संघर्षविराम के वादे का उल्लंघन करने को लेकर खिलाफ रूस के सशस्त्र बलों को चेतावनी दी।

यक्रेन के अधिकारियों ने कहा है कि रूस के हमले में दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर मारियुपोल में बच्चों के अस्पताल एवं प्रसूति केंद्र को निशाना बनाया गया। बुधवार को नगर परिषद के सोशल मीडिया अकाउंट पर एक बयान में कहा गया कि अस्पताल को भार क्षति हुई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने ट्वीट किया, मलबे के नीचे लोग, बच्चे दबे हैं।

अब फेसबुक पर रूस के खिलाफ खुलकर बोलने की इजाजत, कंपनी ने बदले नियम

इंटरनेशनल डेस्क। रूस-यूक्रेन जंग के बीच फेसबुक ने हिंसक भाषणों को लेकर अपने नियमों को अस्थायी रूप से बदलाव किया है। इस बदलाव के साथ ही फेसबुक ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ खुलकर बोलने की यूजर्स को इजाजत दे दी है। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा ने कहा कि यूक्रेन पर आक्रमण के कारण उसने रूसी आक्रमणकारियों को मौत जैसे बयानों की इजाजत देने के लिए अपने नियमों को आसान कर दिया है, लेकिन नागरिकों के खिलाफ धमकी को नहीं। दरअसल, रूस के अपने पड़ोसी पर आक्रमण की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निंदा ने पश्चिमी सरकारों और व्यवसायों से अभूतपूर्व प्रतिबंधों के लिए उकसाया है। साथ ही इसे लेकर ऑनलाइन माध्यम से गुस्सा जताने में भी वृद्धि हुई है। फेसबुक ने रॉयटर्स की रिपोर्ट के बाद अपने कंटेंट मॉडरेटर्स को फर्म के ईमेल का हवाला देते हुए कहा कि यह नीति आर्मेनिया, अजरबैजान, एस्टोनिया, जॉर्जिया, हंगरी, लातविया, लिथुआनिया, पोलैंड, रोमानिया, रूस, स्लोवाकिया और यूक्रेन पर लागू होती है। फेसबुक और अन्य अमेरिकी टेक दिग्गज यूक्रेन पर हमले के लिए रूस को दंडित करने के लिए आगे बढ़े हैं। वहीं, मॉस्को ने प्रमुख सोशल मीडिया नेटवर्क के साथ-साथ ट्विटर के एक्सेस को ब्लॉक कर दिया है। इस प्रकार रूस दुनिया के सबसे बड़े सोशल नेटवर्क पर बैन लगाने वाले देशों के बहुत छोटे क्लब में शामिल हो गया है। इससे पहले चीन और उत्तर कोरिया ऐसा कर चुके हैं।

जलवायु परिवर्तन समाधान के लिए विकासशील देशों को 100 अरब डॉलर की मदद मिलेगी : अमेरिका

जिनेवा ।

जलवायु परिवर्तन की समस्या से जूझ रही दुनिया के लिए खुशखबरी है। अमेरिका के जलवायु दूत जॉन कैरी ने कहा कि उन्हें लगता है कि विकसित देश इस साल जलवायु परिवर्तन से निपटने में विकासशील देशों की मदद के लिए सालाना 100 अरब डॉलर देने के अपने वादे को अंततः पूरा कर सकते हैं और अगले साल तो इस लक्ष्य को निश्चित ही प्राप्त कर लिया जाएगा। हालांकि विकसित देशों ने 2009 में कोपेनहेगन में संयुक्त राष्ट्र की जलवायु शिखरवार्ता में विकासशील देशों को तापमान में वृद्धि से निपटने में मदद के लिए कोष प्रदान करने के इस लक्ष्य को 2020 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया था और वे कम से कम दो साल पीछे हैं। कैरी ने 'सतत शांति और सुरक्षा के लिए जलवायु वित्तपोषण' पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनौपचारिक बैठक में कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद के लिए अमेरिका की वित्तीय सहायता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद के लिए अमेरिका की वित्तीय सहायता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कैरी ने पिछले साल सितंबर में कहा था कि बाइडेन ने वार्षिक अमेरिका जलवायु वित्तपोषण को 11 अरब डॉलर से बढ़ाने का वादा किया है। यह 2009-2017 के दौरान तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय दी गई आर्थिक सहायता से चार गुना है जब बाइडन उप राष्ट्रपति थे। कैरी ने कहा कि इस वृद्धि से 100 अरब डॉलर की सहायता देने में हमें मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि इसे 2022 तक हासिल किया जा सकता है। यह तो स्पष्ट है कि हम 2023 तक इसे हासिल कर लेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लैंसेट ने किया भारत में कोविड-19 से सबसे अधिक मौतें होने का दावा, केंद्र सरकार ने नकारा

नेशनल डेस्क।

लैंसेट के नये विश्लेषण के अनुसार भारत में कोविड-19 के कारण जान गंवाने वालों की कुल अनुमानित संख्या जनवरी 2020 और दिसंबर 2021 के बीच 40 लाख 70 हजार थी, जो बताए गए आंकड़े की तुलना में आठ गुणा अधिक थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को इन निष्कर्षों पर प्रतिक्रिया देते हुए इन्हें %%अटकलों और गलत सूचना पर आधारित%% करार दिया और कहा कि विश्लेषण के लेखकों ने खुद कार्यप्रणाली में खामियों और विसंगतियों को स्वीकार किया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अध्ययन विभिन्न देशों के लिए अलग-अलग तरीकों को ध्यान में रखकर किया गया है। उदाहरण के तौर पर भारत के लिए अध्ययन में उपयोग किए गए आंकड़ों का स्रोत समाचार पत्रों की रिपोर्ट और गैर प्रकाशित अध्ययनों पर आधारित लगता है। %द लैंसेट% ने बृहस्पतिवार को बताया कि 31 दिसंबर, 2021 तक दुनियाभर में जितनी मौतें हुईं, उनमें 22.3 प्रतिशत लोगों की मौत भारत में हुई। विश्लेषण के अनुसार दुनियाभर में उस अवधि तक 59 लाख 40 हजार लोगों की मौत हुई , जिसमें से 18.2 प्रतिशत की मौत कोविड-19 के कारण हुई। यह पहले के अनुमान की तुलना में लगभग तीन गुणा अधिक थी। पत्रिका ने कहा कि उस अवधि के दौरान भारत में कोविड-19 से जान गंवाने वालों की संख्या 4,89,000 बताई गई थी। पत्रिका ने अपनी रिपोर्ट, कोविड-19 मृत्यु दर का अनुमान- कोविड-19 से संबंधित मृत्यु दर का एक व्यवस्थित विश्लेषण, 2020-21 में यह दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है, देशों के स्तर पर, भारत में कोविड-19 के कारण सबसे अधिक 40 लाख 70 हजार लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के बाद सबसे अधिक मौतें अमेरिका (11 लाख 30 हजार) में हुईं। वहीं रूस में 10 लाख 70 हजार, मेक्सिको में 798,000, ब्राजील में 792,000, इंडोनेशिया में 736,000 और पाकिस्तान में 664,000 लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के अनुसार, 12 महीने की अवधि के दौरान दुनियाभर में कोविड-19 के चलते जितनी मौतें हुईं।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू कश्मीरः बांदीपुरा में सेना का हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, एक पायलट की मौत-दूसरा घायल

नेशनल डेस्क। उत्तरी कश्मीर के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास एक इलाके में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बीमार कर्मी को लेने जा रहा सेना का एक हेलीकॉप्टर 'चीता दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे पायलट की मौत हो गई और सह-पायलट घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सह-पायलट को एक चिकित्सा केन्द्र ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि घायल सह-पायलट की स्थिति गंभीर बनी हुई है। दोनों पायलट सैन्य उड्डयन कोर के थे और मेजर रैंक के थे। एक अधिकारी ने बताया कि हेलीकॉप्टर उतरने ही वाला था, लेकिन मौसम खराब होने की वजह से उसने नियंत्रण खो दिया। दुर्घटना उत्तरी कश्मीर के बांदीपुरा जिले में गुरेज सेक्टर में गुजरां नाले के पास हुई।

पाक के एयरस्पेस उल्लंघन आरोप पर केंद्र बोला- तकनीकी खराबी की वजह से मिसाइल फायर हुई

नेशनल डेस्क । पाकिस्तान के इलाके में गिरी मिसाइल को लेकर रक्षा मंत्रालय ने बड़ा बयान दिया है। मंत्रालय ने कहा कि यह घटना बेहद खेदजनक है। हालांकि राहत की बात ये भी है कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। मंत्रालय के मुताबिक, ÷9 मार्च 2022 को नियमित रखरखाव के दौरान एक तकनीकी खराबी के कारण मिसाइल अचानक से फायरिंग हो गई। भारत सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया है और एक उच्च स्तरीय कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया है।

देश की सबसे बड़ी लॉ यूनिवर्सिटी में सैकड़ों छात्राओं का यौन उत्पीड़न! प्रोफेसर पर लगे गंभीर आरोप, मचा हड़कंप

भोपाल। राजधानी भोपाल में स्थित देश की सबसे बड़ी लॉ यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तपत मोहंती पर यौन शोषण के आरोप लगे हैं। मामले की शिकायत पर छ्रूशिवराज सिंह चौहान ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए हैं। एनएलआईयू के प्रोफेसर तपन मोहंती पर आरोप है कि उन्होंने छात्राओं से यौन उत्पीड़न किया है। मामला सामने आते ही सैंकड़ों छात्रों ने उनके कक्ष का घेराव किया इसके बाद यह कार्रवाई हुई है। मामले को लेकर एनएलआइयू के छात्रों का एक संगठन सीएम शिवराज सिंह चौहान से मिलने पहुंचा था। छात्रों के शिकायत के बाद सीएम शिवराज ने तुरंत एक्े शन लेते हुए सीएम आवास पर पुलिस, प्रशासन के आला अधिकारियों की बैठक बुलाई। बैठक में सीएम ने प्रोफेसर के खिलाफ जांच कर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। जांच टीम में महिला पुलिस अधिकारी को भी शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लड़कों और लड़कियों के साथ 'दुर्व्यवहार' बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यदि आवश्यक हुआ तो इस मामले पर उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के साथ भी चर्चा की जाएगी।

युवक के बैंक खातों में पांच करोड़ का लेनदेन, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल । मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले से अजीब मामला सामने आया है। चाय की दुकान पर काम करने वाले युवक के बैंक खातों में तीन माह में पांच करोड़ का लेनदेन सामने आया है। युवक को 15 से 20 हजार रुपए भी मिलते थे। मामले की जांच में पुलिस जुट गई है। दरअसल उज्जैन में युवक के बैंक खाते में लेनदेन का मामला सुर्खियों में बना हुआ है। राहुल मालवीय नामक युवक के बैंक अकाउंट में तीन माह के अंदर पांच करोड़ रुपए आए और बाद में निकाल भी लिया गया। पैसा एटीएम और चेक के माध्यम से निकाला गया था। जानकारी मिली है कि इसके लिए राहुल को 15 से 20 हजार रुपए हर महीना मिलता था। राहुल ने इसी पैसों से करीब 25 लाख का मकान खरीद लिया था। जब बैंक ने राहुल के खातों में लगातार लाखों रुपए आने पर उससे पूछा तब राहुल घबरा गया और पुलिस के पास मदद के लिए गया। लेकिन पुलिसवाले भी राहुल को मोहरा बनाकर पैसे ऐंठना चाहा। वहीं जिन लोगों के द्वारा पैसे डाले जाते थे, वह भी उज्जैन आए और पुलिस की मदद से राहुल के मकान को अपने नाम करवा लिया। जिसके बाद राहुल ने पुलिस की कार्यशैली को लेकर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत की। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक उज्जैन सत्येंद्र कुमार शुक्ल ने एक आरक्षक को तत्काल सस्पेंड कर दिया। बता दें कि मामले में राहुल ने पुलिस को जानकारी दी कि कुछ महीने पहले छत्तीसगढ़ के सत्यप्रकाश नामक शख्स ने उसकी चाय की दुकान पर मुलाकात की थी। उसने राहुल को इंदौर के कुछ लोगों से मिलवाया और सोशल मीडिया पर फनी वीडियो डालने का काम दिया था। 7 दिनों तक उसे इंदौर में रखकर इस पूरे काम की ट्रेनिंग भी दी। जिसके बाद राहुल के बैंक खाते खुलवाए गए और उन खातों के एटीएम-चेक बुक को खुद अपने पास रख लिया।

मणिपुर के सीएम ने दिया राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा, कार्यवाहक के रूप में करेंगे काम

इंफाल । पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शुक्रवार को राज्य के राज्यपाल ला गणेशन को अपना इस्तीफा सौंप दिया। सिंह भाजपा विधायक दल के नये नेता की औपचारिक नियुक्ति होने तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते रहेंगे। राज्यपाल ने कहा, 'बीरेन सिंह ने औपचारिकता के तौर पर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। मैं उनसे अनुरोध करता हूँ कि स्थायी व्यवस्था होने तक वे कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहें। सिंह मार्च-2017 में मणिपुर के मुख्यमंत्री बने थे। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के अभियान का नेतृत्व किया और पार्टी 60 में से 32 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल करने में सफल रहे। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व जल्द ही प्रदेश के नेतृत्व पर फैसला कर सकता है।

गोवा विधानसभा चुनाव में हुए कई बड़े उलटफेर, इन दिग्गजों को करना पड़ा हार का सामना

नेशनल डेस्क।

गोवा में हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में कई उलटफेर देखने को मिले हैं। मर्चेंट नेवी अधिकारी से नेता बने कैप्टन वेंजी वीगास ने उलटफेर करते हुए वरिष्ठ नेता व राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चर्चिल अलेमाव को हरा दिया। ऐसा करने वाले वह अकेले उम्मीदवार नहीं हैं। उनकी तरह कई नए-नवेले उम्मीदवारों ने गोवा के स्थापित नेताओं को धूल चटाई। गोवा की 40 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 20 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बेनॉलिम विधानसभा क्षेत्र के बेताज बादशाह कहे जाने वाले अलेमाव ने 14 फरवरी को हुए चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर किस्मत आजमाई थी। लेकिन आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार कैप्टन वीगास ने उन्हें 1,271 मतों के अंतर से हरा दिया। वीगास ने बृहस्पतिवार को चुनाव परिणाम आने के बाद कहा था, मुझे जीत की उम्मीद थी क्योंकि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोग मेरी पार्टी और उसकी नीतियों के साथ खड़े थे। भ्रष्टाचार का विरोध वह प्रमुख मुद्दा था जिस पर हमने लड़ाई लड़ी। इसी तरह गोवा के उपमुख्यमंत्री व प्रभावशाली नेता चंद्रकांत कावलेकर को क्रीपम सीट पर कारोबारी से नेता बने कांग्रेस उम्मीदवार एल्टन डि कोस्टा ने 3,601 मतों से पराजित कर दिया। कावलेकर कांग्रेस के उन दस विधायकों में शामिल थे, जिन्होंने साल 2019 में सत्तारूढ़ भाजपा का दामन थाम लिया था। डॉक्टर से नेता बने चंद्रकांत शेते ने बिचोलिम सीट पर भाजपा उम्मीदवार व विधानसभा अध्यक्ष राजेश पाटनकर को हराया।

पाटनकर तीसरे और अंतिम दौर की मतगणना के बाद तीसरे स्थान पर रहे जबकि महाराष्ट्र गोमांतक पार्टी (एमजीपी) के उम्मीदवार नरेश सावल दूसरे स्थान पर रहे। शेते ने सावल को 318 मतों के अंतर से हराया। चुनाव से कुछ महीने पहले गठित एक नए राजनीतिक संगठन रिवोल्यूशनरी गोवा पार्टी (आरजीपी) के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले वीरेश बोरकर ने सेंट आंद्रे विधानसभा क्षेत्र में मौजूदा विधायक व भाजपा उम्मीदवार फ्रांसिस सिलवीरा को हराया। स्थानीय मोबाइल फोन स्टोर में सेल्समैन के तौर पर काम करने वाले बोरकर ने सिलवीरा को महज 76 वोटों के अंतर से हराया। मडगांव विधानसभा क्षेत्र भाजपा उम्मीदवार मिलिंद नाइक को 1,941 मतों के अंतर से हरा दिया।

कांग्रेस को भारी क्षति, अमेठी के बाद रायबरेली का किला भी ढहा

रायबरेली । उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी साख अपने शीर्ष नेताओं के संसदीय क्षेत्र में में गंवा बैठी।सबसे ज्यादा नुकसान ग्रैंड ओल्ड पार्टी कांग्रेस को उठाना पड़ा है। पार्टी की अध्यक्षा सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली, जो कांग्रेस का गढ़ माना जाता था, उस पर समाजवादियों और भगवाधारियों ने कब्जा कर लिया है। आपको बता दें कि गांधी परिवार का किला रहा अमेठी पहले ही ढह गया था और अब रायबरेली से भी पंजे का निशान गायब हो गया है। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को इससे पहले ऐसी शिकस्त कभी नहीं मिली थी। रायबरेली संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली 6 सीटों में से 4 पर समाजवादी पार्टी ने तो 2 पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कब्जा किया है। भाजपा ने जिन दो सीटों पर जीत दर्ज की है, उनमें रायबरेली सदर और सलोन सीट है। आपको बता दें कि रायबरेली सदर से कांग्रेस की बागी नेता अदिति सिंह ने भाजपा के चुनाव चिह्न पर जीत दर्ज की है। जबकि सलोन से अशोक कोरी को जीत मिली है। अदिति सिंह को समाजवादी पार्टी के राम प्रताप यादव से कांटे की टक्कर मिली और अंतिम राउंड तक दोनों के बीच घमासान देखने को मिला। अदिति सिंह को कुल 1,01,974 वोट मिले। जबकि राम प्रताप सिंह को 94,294 वोट हासिल हुए और अगर कांग्रेस की बात करें तो पार्टी ने डॉ. मनीष चौहान को टिकट दिया था। रायबरेली की 6 में से 3 सीटों पर तो कांग्रेस उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई।

सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं की डेट शीट जारी

नई दिल्ली । केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं एवं 12वीं कक्षा के लिए दूसरे चरण की बोर्ड परीक्षा 26 अप्रैल से शुरू होगी। पिछले साल सीबीएसई ने घोषणा की थी कि 2022 के लिए बोर्ड परीक्षा दो चरणों में आयोजित होगी। इसके तहत पहले चरण की परीक्षा पूर्व में ही आयोजित की जा चुकी है और दोनों कक्षाओं के लिये दूसरे चरण की परीक्षा 26 अप्रैल से आयोजित होगी। बोर्ड ने तिथि तालिका जारी करते हुए कहा कि दोनों परीक्षाओं के बीच इसका ध्यान में रखते हुए पर्याप्त अंतर रखा गया है कि महामारी के कारण स्कूल बंद थे। इसमें कहा गया है, कि महामारी के कारण स्कूलों के बंद रहने से पठन पाठन का नुकसान हुआ, इसकारण दोनों कक्षाओं में लगभग सभी विषयों में दोनों परीक्षाओं के बीच (समय का) पर्याप्त अंतर रखा गया है। इसमें कहा गया है, कि तिथि तालिका तैयार करते हुए जेईई मेन सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं का भी ध्यान रखा गया है। जेईई मेन सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं का भी ध्यान रखा गया है। इस बार परीक्षा का समय सुबह 10-30 बजे होगा।साथ ही जानकारी दी गई कि परीक्षा को दो पालियों में आयोजित नहीं किया जाएगा। बता दें कि सीबीएसई कि टर्म-1 बोर्ड परीक्षा नवंबर-दिसंबर में आयोजित की गई थी।

कांग्रेस ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि सच हो जाएगी अटल जी की भविष्यवाणी!

नेशनल डेस्क।

पांच राज्यों के चुनावी नतीजे बृहस्पतिवार को घोषित कर दिए गए। पांच में से चार राज्यों में भाजपा ने सरकार में वापसी की है। वहीं, कांग्रेस समेत सभी विपक्षी पार्टियों में निराशा का माहौल है लेकिन इन सबके बीच भी कोई सबसे ज्यादा हताश और निराश है तो वो कांग्रेस ही है क्योंकि उसने अपना एक और राज्य गंवा दिया है। हालांकि इन चारों ही राज्यों में पहले से भी भाजपा की ही सरकार है और 1 राज्य जो क्क के पास जा रहा है वो अब तक कांग्रेस का ही गढ़ हुआ करता था। यानी कि स्पष्ट है कि कांग्रेस की स्थिति दिन ब दिन खराब ही होती जा रही है। राजनीतिक पंडितों की मानें तो भाजपा की प्रचंड जीत भी इसी ओर इशारा करती है कि आने वाले सालों में भी कांग्रेस के लिए समय कुछ ज्यादा अच्छा नहीं रहने वाला है। ऐसे में लोग सोशल मीडिया पर कांग्रेस को खूब ट्रॉल कर रहे हैं और वो दौर याद दिला रहे हैं जब कांग्रेस ने जनसंघ (आज की भाजपा) के कम नंबरों का मजाक उड़ाया था। उस समय पूर्व प्रधानमंत्री और भाजपा के संस्थापक अटल बिहारी वाजपेयी ने कांग्रेस से कहा था, %हम उस घड़ी की प्रतीक्षा करेंगे, जब हमें स्पष्ट बहुमत प्राप्त हो.... आज आप मेरा उपहास उड़ा लें लेकिन एक वक्त ऐसा आएगा जब लोग आपका उपहास उड़ाएंगे। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी ने यह भी कहा था कि एक दिन पूरे देश में कमल खिलेगा। दो दशक पहले उन्होंने भाजपा के दृढ़ निश्चय को सामने रखते हुए संसद में कहा था कि हमने मेहनत की है, हमने संघर्ष किया है। यह 365 दिन चलने वाली पार्टी है। ये चुनाव में कोई कुकुरमुत्ते की तरह उगने वाली पार्टी नहीं है...हम बहुमत का इंतजार करेंगे। अब भाजपा के लिए वो इंतजार समाप्त हो गया है। पिछले 8 सालों से पार्टी लोक सभा हो या विधान सभा चुनावों में बंपर वोट हासिल कर रही है। लोक सभा में कांग्रेस को लेकर अटल बिहारी वाजपेयी ने जो भविष्यवाणी की थी, वह आज सच साबित हो रही है। एक समय में देश पर एकक्षत्र राज करने वाली कांग्रेस आज क्क में 5 सीटें तक नहीं जीत पाई है।

लेकिन उस समय कांग्रेस का बोलबाला कुछ ऐसा था कि उनके सांसद गिरधर गोमांग ने ओडिशा के मुख्यमंत्री रहते लोक सभा में मतदान किया था और उसी एक वोट ने बाजी पलट दी थी। हालांकि यह पंक्तियां पहली बार लोगों को याद नहीं आई हैं बल्कि 2019 में जब भाजपा आम चुनावों में जीती थी तब भी लोगों ने इन लाइनों को याद किया था। जिस उत्तर प्रदेश से कांग्रेस के दिग्गज नेता निकले उसी राज्य में पार्टी को 2.33 प्रतिशत वोट मिले हैं ।

मानवीय त्याग और समर्पण पर आधारित है भोजपुरी फिल्म संदेश

मुंबई।

भोजपुरी फिल्म जगत के चर्चित फिल्म निर्माता आर बी गौतम की बहुप्रतीक्षित भोजपुरी फिल्म संदेश अब बहुत जल्द ही सिनेदर्शकों तक पहुँचने वाली है। कर्णप्रिय गीतों से सजी इस फिल्म के कथाकार अनिल विश्वकर्मा, निर्देशक लखीचंद ठाकुर, सहायक निर्देशक अमृत लाल अमन, गीतकार मो. इदरीश खान व धर्मेंद्र राज, संगीतकार विपिन बिहारी व माधव सिंह राजपूत, नृत्य निर्देशक फिरोज खान और कैमरामैन बिरजू चौधरी व पंकज जोशी हैं। गौतम फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के मुख्य कलाकार अविनाश शाही, कल्पना शाह, प्रमोद माउथो, रवींद्र अरोड़ा, दीपक भाटिया, अमित बिग बी, ज्योति ठाकुर, धर्मेंद्र त्रिपाठी, राम विश्वकर्मा, बसंत कुमार, कर्ण मिश्रा, राधेश्याम गुप्ता और अशोक चतुर्वेदी आदि हैं। %महिला सशक्तिकरण' के पक्ष में आवाज़ बुलंद करती इस फिल्म के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया गया है कि महिलाएं आगे बढ़ेगी....तभी देश तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ेगा।

बकौल फिल्म निर्माता आर बी गौतम भोजपुरी फिल्म संदेश के माध्यम से ये भी समझाने का प्रयास किया गया है कि अशिक्षित समाज में अनेक तरह की समस्याएं जन्म लेती है और उसका दंश पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं को झेलना पड़ता है। डिजिटल युग में समाज के सभी वर्ग को शिक्षित होना अति आवश्यक है।

गोवा में 14 मार्च के बाद नई सरकार का गठन, बोर्ड लेगा नए मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला

पणजी ।

शुक्रवार को गोवा सरकार की आखिरी कैबिनेट बैठक हुई। गोवा की मौजूदा सरकार का कार्यकाल 14 मार्च को समाप्त होगा, इसके बाद नई सरकार के गठन की बात कही जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बताया कि नई सरकार के गठन को लेकर फैसला केंद्रीय पर्यवेक्षक द्वारा लिया जाएगा। साथ ही नई सरकार में मुख्यमंत्री के नाम को लेकर फैसला केंद्रीय संसदीय बोर्ड द्वारा लिया जाएगा। वहीं, गोवा सरकार में मंत्री मौविन गोडिन्हो ने बताया कि अगले दो-तीन दिनों में नई सरकार के गठन को लेकर फैसला होने की उम्मीद है। प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इस लेकर केंद्रीय संसदीय बोर्ड द्वारा फैसला लेगा। बोर्ड का एक प्रतिनिधि जल्द ही राज्य के दौरे पर आएगा। उन्होंने कहा कि अगले दो से तीन दिनों में पुरानी सरकार का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। जिसके बाद नई सरकार का गठन होगा, साथ ही उन्होंने

बताया कि केंद्रीय पर्यवेक्षक के गोवा दौरे को लेकर उन्हें जानकारी नहीं थी। उनके आने के बाद ही नई सरकार के गठन को लेकर काम आगे बढ़ेगा। साथ ही सबसे विचार विमर्श के बाद नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगेगी।

होली के उपरांत पूर्व मध्य रेल के विभिन्न स्टेशन से देश के अन्य शहरों के लिए चलाई जा रही हैं स्पेशल ट्रेनें

हाजीपुर ।

होली के उपरांत यात्रियों की संभावित भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु पूर्व मध्य रेल के विभिन्न स्टेशनों से देश के अन्य शहरों के लिए स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

1. 02363/02364 पटना-आनंद विहार-पटना सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल- गाड़ी संख्या 02363 पटना-आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल 24 एवं 27 मार्च, 2022 को पटना से 22.20 बजे खुलकर अगले दिन 15.15 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 02364 आनंद विहार-पटना सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल 25 एवं 28 मार्च, 2022 को आनंद विहार से 23.30 बजे खुलकर अगले दिन 17.30 बजे पटना पहुंचेगी। यह स्पेशल दानापुर, आरा, बक्सर, पं.दीनदयाल उपाध्याय, प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल स्टेशनों पर रुकेगी।

2. 05561/05562 जयनगर-लोकमान्य तिलक-जयनगर एक्सप्रेस स्पेशल- गाड़ी संख्या 05561 जयनगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस स्पेशल 22 एवं 29 मार्च, 2022 को जयनगर से 23.50 बजे खुलकर तीसरे दिन 13.00 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनल पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 05562 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-जयनगर एक्सप्रेस स्पेशल 25 मार्च एवं 01 अप्रैल 2022 को लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 00.15 बजे खुलकर अगले दिन 15.00 बजे जयनगर पहुंचेगी। यह स्पेशल अप एवं डाउन दिशा में दरभंगा, समस्तीपुर, बरौनी, पटना, आरा, बक्सर, पं.दीनदयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, सतना, कटनी, जबलपुर, इटारसी, खंडवा, भुसावल, नासिक रोड, इगतपुरी एवं कल्याण स्टेशनों पर रूकेगी।

3. 02397/02398 गया-नई दिल्ली-गया सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल - गाड़ी संख्या 02397 गया-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल 22 एवं 25 मार्च, 2022 को गया से 07.10 बजे खुलकर उसी दिन 23.35 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 02398 नई दिल्ली- गया सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल 23 एवं 26 मार्च, 2022 को नई दिल्ली से 08.10 बजे खुलकर उसी दिन 23.00 बजे गया पहुंचेगी। यह स्पेशल डेहरी ऑन सोन, सासाराम, पं.दीनदयाल उपाध्याय, प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल, गाजियाबाद स्टेशनों पर रूकेगी।

4. 05557/05558 मुजफ्फरपुर-वलसाड- मुजफ्फरपर एक्सप्रेस स्पेशल- गाड़ी संख्या 05557 मुजफ्फरपुर-वलसाड एक्सप्रेस स्पेशल 22 एवं 29 मार्च, 2022 को मुजफ्फरपुर से 20.10 बजे खुलकर तीसरे दिन 11.30 बजे वलसाड पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 05558 वलसाड-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस स्पेशल 25 मार्च एवं 01 अप्रैल, 2022 को वलसाड से 06.45 बजे खुलकर अगले दिन 19.00 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी। यह स्पेशल हाजीपुर, छपरा, मउ, आजमगढ़, शाहगंज, अयोध्या कैंट, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, इटावा, शम्शवाद टाउन।

कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर कैप्टन का तंज, पार्टी नेतृत्व कभी नहीं सीखेगा

चंडीगढ़ । विधानसभा चुनाव में हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने ट्वीट के जरिए कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा कि पार्टी नेतृत्व कभी नहीं सीखेगा। पंजाब लोक कांग्रेस के प्रमुख कैप्टन सिंह को पिछले साल मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया था। उन्होंने कांग्रेस पार्टी से सवाल किया कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में पार्टी की हार के लिए कौन जिम्मेदार है। कैप्टन ने कहा, कांग्रेस नेतृत्व कभी नहीं सीखेगा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की शर्मनाक हार का जिम्मेदार कौन? मणिपुर, गोवा, उत्तराखंड के बारे में क्या? उत्तर बिल्कुल स्पष्ट है, लेकिन हमेशा की तरह मुझे लगता है कि वे इस समझने से बचने वाले हैं, कैप्टन की यह टिप्पणी कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला के यह कहने के एक दिन बाद आई है कि पंजाब में, भले ही पार्टी ने एक विनम्र, स्वच्छ और जमीनी नेतृत्व प्रस्तुत किया, लेकिन यह कैप्टन सरकार की 4.5 साल की सत्ता-विरोधी लहर को दूर करने में विफल रहा और लोगों ने बदलाव के लिए मतदान किया। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरजेवाला ने गुरुवार को कहा था कि पंजाब में कांग्रेस ने एक साधारण पृष्ठभूमि वाले चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन अमरिंदर सिंह के करीब साढ़े चार साल के शासन को लेकर जो सत्ता विरोधी लहर थी, उससे पार्टी को नुकसान हुआ। सुरजेवाला ने कहा था, पंजाब में लोगों ने बदलाव के लिए वोट किया है। हम विजेता को बधाई देते हैं। उन्होंने कहा, हम उत्तर प्रदेश, उत्तरराखंड, मणिपुर और गोवा में बेहतर चुनाव लड़े, लेकिन जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाए। हमें सीख लेनी है और कड़ी मेहनत करनी है। हम जातिवाद और धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति से इतर जनता के मुद्दों पर चुनाव लड़े, लेकिन भावनात्मक मुद्दे जनता से जुड़े मुद्दे पर हावी हो गए। सुरजेवाला ने कहा, ''पांच राज्यों के चुनाव परिणाम पार्टी की उम्मीदों के खिलाफ हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

दो दिवसीय गुजरात दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी, एयरपोर्ट से भाजपा मुख्यालय तक रोड शो

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज गुजरात के दो दिवसीय गुजरात पहुंचे हैं। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने पीएम मोदी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया है। अहमदाबाद एयरपोर्ट से गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम तक पीएम मोदी के भव्य रोड शो का आयोजन किया गया है। बताया गया है कि इस रोड शो में 4 लाख से भी ज्यादा लोग सड़क की दोनों ओर पीएम मोदी का स्वागत करेंगे। फिलहाल पीएम मोदी का अहमदाबाद एयरपोर्ट से भाजपा मुख्यालय तक रोड शो शुरू हो गया है, जो करीब डेढ़ घंटे तक चलेगा। जिसके बाद पीएम मोदी भाजपा मुख्यालय में पार्टी के सांसद और विधायकों के साथ बैठक करेंगे। भाजपा कार्यालय से निकलकर पीएम मोदी राजभवन जाएंगे और उसके बाद अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में आयोजित सरपंच महासम्मेलन को संबोधित करेंगे।

केन्द्रीय गृह मंत्री का गुजरात के राज्यपाल ने राजभवन में किया स्वागत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का राजभवन में स्वागत किया। अमित शाह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राजभवन में होनेवाली सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक में भाग लेने गांधीनगर के राजभवन पहुंचे हैं। इससे पहले आज सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अहमदाबाद पहुंचे, जहां से गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय तक रोड किया। भाजपा मुख्यालय में पार्टी के सांसद और विधायकों समेत पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद पीएम मोदी ने अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में आयोजित पंचायत महासम्मेलन को संबोधित किया। पंचायत महासम्मेलन पूर्ण होने के बाद पीएम मोदी गांधीनगर के राजभवन पहुंच गए हैं, जहां सोमनाथ ट्रस्ट

की बैठक शुरू हो चुकी है। शनिवार को पीएम मोदी रक्षा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे और इस मौके पर अमित शाह भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा अमित शाह अहमदाबाद के कोचरब आश्रम का भी दौरा करेंगे और साइकिल रैली का प्रस्थान कराएंगे और शाम को दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। गौरतलब है पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद तीन दिग्गज नेताओं का गुजरात में आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा सरसंघ चालक डॉ. मोहन भागवत भी गुजरात में हैं। पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह दो दिवसीय दौरे पर गुजरात आए हैं, वहीं डॉ. मोहन भागवत अहमदाबाद के पिराणा में आज से शुरू हुई तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में भाग लेने आए हैं।

हिट एन्ड रन की घटना में बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर पाल आरटीओ के निकट मोटर साइकिल पर घूमने निकले दो चचेरे भाइयों को बेकाबू कार चालक ने अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के कई घंटे बीत जाने के बावजूद आरोपी कार चालक अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। जानकारी के मुताबिक सूरत के पाल अडाजण स्थित शारदा रो हाउस निवासी 28 वर्षीय भावेश प्रमोदचंद्र जरीवाला प्राइवेट बैंक में नौकरी करता था और उसके पिता सूरत महानगर पालिका में बतौर अधिकारी सेवारत हैं। जबकि माता जिला रजिस्ट्रार कचहरी में सेवारत है। दो दिन पहले भावेश किम से आए अपने चचेरे भाई अक्षय के साथ मोटर साइकिल पर घूमने निकला था। सूरत के पाल आरटीओ के निकट मोड पर तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार चचेरे भाइयों को अपनी चपेट में ले लिया। कार की टक्कर से दोनों भाई उछलकर सड़क जा गिरे। भावेश को गंभीर चोट लगने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल अक्षय को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे के बाद कार सवार घटनास्थल से फरार हो गया। घटना को 60 घंटे से भी अधिक बीत चुका है, लेकिन पुलिस अब तक कार चालक को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। भावेश के पिता ने बताया कि वह मेरा इकलौता बेटा था, जो प्रति दिन पैर छूकर आशीर्वाद लेकर घर से बाहर निकलता था। आज हम उसके लिए हाथ जोड़कर प्रार्थना करने को मजबूर हैं। हमे मिले आघात और दर्द की केवल एक ही दवा है न्याय। पुलिस जल्द से जल्द कार चालक को गिरफ्तार कर उसे कड़ी से कड़ी सजा दिलाए, ताकि भविष्य में किसी माता-पिता के वृद्धावस्था की लाठी को टूटने बचाया जा सके।